सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

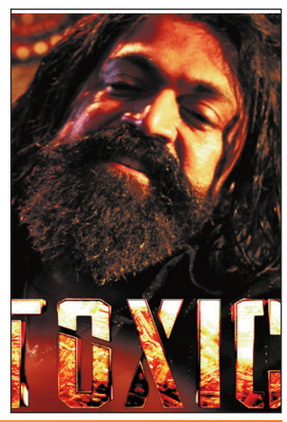

सिर्फ 1 महीने छोड़कर देखें शराब, होंगे ये बड़े फायदे पेज: 7

टॉक्सिस से नहीं होगा; सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 102 | गुरुवार 16 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

अमित शाह-राहुल गांधी पर FIR की मांग खारिज, दिल्ली हाई कोर्ट ने ठुकराई जनहित याचिका

नई दिल्ली। भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 106(दा) को लागू नहीं करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह व लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। राजनीतिक मुद्दा न बनाएं- कोर्ट याचिकाकर्ता व अधिवक्ता रितु गौबा ने अदालत के समक्ष जब राजनीति संदर्भ व राजनेताओं के उदाहरण देना शुरू किया तो मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने मौखिक टिप्पणी की कि इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाएं। याचिका खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि किसी प्रविधान को लागू करने पर चर्चा करना केंद्र सरकार के हित में है और इसलिए सरकार को जब भी उचित और सही लगे, तब अधिसूचना जारी करनी चाहिए।

मोदी कैबिनेट ने ले लिये बड़े फैसले, किसानों और नौजवानों को दे डाली बड़ी सौगात, विकास की रफ्तार भी होगी और तेज

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल और आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में देश की विनिर्माण क्षमता, बुनियादी ढांचे, कृषि, परिवहन और समुद्री क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम और वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। हम आपको बता दें कि कैबिनेट ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना के

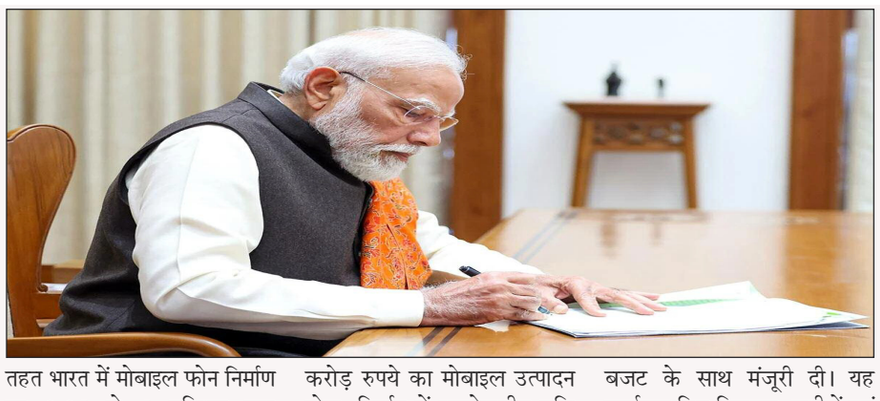

तहत भारत में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया जाएगा। घरेलू स्तर पर प्रमुख कंपोनेंट्स की खरीद पर अतिरिक्त 1.5 प्रतिशत और भारतीय ब्रांडों द्वारा डिजाइन एवं अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मिलेगा। सरकार का अनुमान है कि योजना अवधि में लगभग 39 लाख करोड़ रुपये का मोबाइल उत्पादन होगा, निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा करीब 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह योजना पीएलआई योजना के बाद भारत को वैश्विक मोबाइल विनिर्माण केंद्र के रूप में और मजबूत करेगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को और गति देने के लिए सरकार ने सेमिकॉन 2.0 को भी 1.27 लाख करोड़ रुपये के बजट के साथ मंजूरी दी। यह कार्यक्रम चिप डिजाइन, मशीनों एवं कच्चे माल के निर्माण, नए फैब स्थापित करने, एटीएमपी/ओसैट इकाइयों के विस्तार, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा विकास जैसे छह प्रमुख स्तंभों पर आधारित होगा। सरकार का लक्ष्य भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण मानचित्र पर अग्रणी स्थान दिलाना

वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली.....

कैबिनेट ने मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) को 62,500 करोड़ रुपये के बजटीय प्रावधान के साथ मंजूरी दी। वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक लागू रहने वाली इस योजना के तहत भारत में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 से 5 प्रतिशत तक प्रोत्साहन दिया

है। अब तक सेमिकॉन 1.0 के तहत 12 विनिर्माण इकाइयों को मंजूरी मिल चुकी है, जबकि 105 स्टार्टअप चिप डिजाइन के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लिए भी कैबिनेट ने दो महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी। पहली परियोजना के तहत एनएच-19 से वाराणसी रिंग रोड तक गंगा तट के समानांतर 46.04 किलोमीटर लंबे छह लेन के एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण 14,447.64 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं दूसरी परियोजना के अंतर्गत वरुणा नदी के किनारे एनएच-31 से वाराणसी रिंग रोड तक 43.22 किलोमीटर लंबे 6/4 लेन एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण 10,998.32 करोड़ रुपये की लागत से होगा। दोनों परियोजनाओं से शहर में यातायात जाम में उल्लेखनीय कमी आएगी, यात्रा समय लगभग आधा रह जाएगा तथा काशी विश्वनाथ धाम, बीएचयू, रेलवे स्टेशनों, एयरपोर्ट और प्रमुख लॉजिस्टिक केंद्रों तक बेहतर संपर्क सुनिश्चित होगा। ये परियोजनाएं पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप बहु-मॉडल कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेंगी। साथ ही रेलवे क्षेत्र में कैबिनेट ने ओडिशा और झारखंड में लगभग 3,907 करोड़ रुपये की लागत वाली दो मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें पारादीप-हरिदासपुर रेलखंड का दोहरीकरण तथा राजखरसावां-दांगोआपोसी खंड पर चौथी लाइन का निर्माण शामिल है। इन परियोजनाओं से भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 145 किलोमीटर की वृद्धि होगी, 1,526 गांवों और लगभग 14 लाख लोगों को बेहतर रेल संपर्क मिलेगा तथा कोयला, लौह अयस्क, चूना पत्थर और अन्य खनिजों के परिवहन में तेजी आएगी। साथ ही हर वर्ष 44 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता विकसित होगी,

कर्नाटक कैबिनेट:विस्तार से पहले सीएम सिद्धारमैया और शिवकुमार की मुलाकात, अब दिल्ली दरबार में होगा फैसला

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलुरु स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से मुलाकात की। शिवकुमार ने बैठक की एक झलक साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ बैठक हुई और बातचीत की गई। यह बैठक कर्नाटक कैबिनेट के संभावित विस्तार को लेकर चल रही अटकलों के बीच हो रही है। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार और सिद्धारमैया के 18 जुलाई को नई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान से मिलने की उम्मीद है, जहाँ कैबिनेट विस्तार पर चर्चा होगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से बातचीत के बाद इस मामले पर कोई फैसला लिए जाने की उम्मीद है। कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने

सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कैबिनेट विस्तार को लेकर चल रही अटकलों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि एक कहावत है कि यह कभी न कभी तो होगा ही। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद को मंत्री बनाए जाने की खबरों पर उन्होंने कहा कि मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है। हाईकमान ही इस पर फैसला करेगा। इससे पहले, 24 जून को कांग्रेस हाईकमान ने विधायकों, धर्मगुरुओं और समुदाय के नेताओं को डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कैबिनेट में मंत्री पद के लिए लॉबिंग न करने की चेतावनी दी थी और उनसे धैर्य रखने को कहा था। हाल के हफ़्तों में, कई कम्युनिटी रिप्रेजेंटेटिव, धार्मिक मठों, साधु-संतों और समर्थकों ने अपने-अपने विधायक के लिए कैबिनेट में जगह की सार्वजनिक रूप से मांग की है। कई प्रतिनिधिमंडलों ने बेंगलुरु और दिल्ली में सीनियर नेताओं से मुलाकात की है। बल्लारी में, काम्पली के विधायक जेएन गणेश के समर्थकों ने हाल ही में मंत्री पद की मांग को लेकर एक मार्च निकाला। एआईसीसी के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि पार्टी सभी विधायकों की उम्मीदों से वाकिफ है। लेकिन फैसले क्षेत्रीय संतुलन, सामाजिक प्रतिनिधित्व और परफॉर्मेंस के आधार पर लिए जाएंगे, न कि दबाव बनाने वाले तरीकों से। सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद बनी शिवकुमार की मौजूदा कैबिनेट में 14 सदस्य हैं, जिनमें डिप्टी चीफ मिनिस्टर जी. परमेश्वर भी शामिल हैं। प्रियांक खड़गे के पास गृह मंत्रालय है, जबकि सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र सिद्धारमैया शहरी विकास मंत्री हैं।

जन सुराज पार्टी को बड़ा झटका, के.सी. सिन्हा और बिट्टू सिंह समेत कई नेता बीजेपी में शामिल

पटना एजेंसी: बुधवार को पटना में बीजेपी के राज्य कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सदस्यता ली, जो जेएसपी के लिए एक बड़ा झटका है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने नए सदस्यों का औपचारिक रूप से स्वागत किया। बीजेपी में शामिल होने वाले प्रमुख जेएसपी नेताओं में दीघा से पूर्व उम्मीदवार बिट्टू सिंह, मेयर पद की उम्मीदवार विनीता बिट्टू, कुम्हरार से उम्मीदवार केसी सिन्हा और मनेर से उम्मीदवार गोपाल सिंह के साथ-साथ पार्टी के कई कार्यकर्ता भी शामिल हैं। संजय सारावगी ने नए सदस्यों की

प्रशंसा करते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व से प्रेरित होकर जन सूरज के कई नेता पार्टी में शामिल हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सभी नए सदस्य संगठन को और मजबूत करने के लिए काम करेंगे और भाजपा परिवार उनका स्वागत करता है। शामिल होने के बाद बिट्टू सिंह ने घोषणा की कि मैं अब भाजपा नहीं छोड़ूंगा; मैं यहीं जिऊंगा और यहीं मरूंगा। उन्होंने भाजपा की विचारधारा और नेतृत्व में अपना विश्वास दोहराया और पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। गोपाल सिंह ने जेएसपी के संस्थापक की आलोचना करते हुए कहा कि वहां कोई विजन नहीं है। एक अहंकारी व्यक्ति संगठन नहीं चला सकता। उन्होंने बीजेपी को एक मजबूत संगठन बताया और इसके विकास के लिए पूरी तरह समर्पित रहने का संकल्प लिया। जन सुराज के नेताओं का बीजेपी में शामिल होना बिहार की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम माना जा रहा है और पार्टी ने इसे संगठन की बड़ी कामयाबी बताया है। बिहार बीजेपी ने एक्स पर लिखा कि पार्टी में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शामिल होना, एनडीए सरकार के समृद्ध बिहार और विकसित भारत बनाने के संकल्प को दशार्ता है। बीजेपी परिवार में शामिल होने वाले सभी सम्मानित जन-प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन। यह कार्यक्रम 30 जुलाई को होने वाले अहम बांकीपुर उपचुनाव से पहले हो रहा है

टूटते वैवाहिक रिश्तों और दरकते पारिवारिक स्तम्भों के बीच मातृशक्ति से संवाद करेंगे मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 24 जुलाई को राष्ट्रीय राजधानी में 500 से अधिक मातृ शक्ति के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कुटुंब प्रबोधन, महिला नेतृत्व और समाज में महिलाओं की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा होगी। यह चर्चा दरकते पारिवारिक स्तम्भों को बचाने के संबंध में होगी। जनपथ मार्ग स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में होने वाले इस संवाद में कुल 700 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। इसमें संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ-साथ समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था मनोरंजन, खेल और अन्य क्षेत्रों से जुड़ी प्रमुख महिला शक्तियां शामिल होंगी। डा. भागवत का दो घंटे का प्रबोधन मुख्य आकर्षण होगा। संवाद का आयोजन विश्वमांगल्य सभा द्वारा किया जा रहा है। संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन के लक्ष्य

निर्धारित किए हैं, जिनमें मातृ शक्ति का सहयोग, समर्थन और सक्रिय सहभागिता अपरिहार्य है। इनमें कुटुंब प्रबोधन एक प्रमुख स्तंभ है। आजकल परिवारों का ताना-बाना बिखरता जा रहा है। संयुक्त परिवारों का विघटन, मूल्यों का ह्रास और सामाजिक विद्रूप चेहरा सामने आ रहा है। ऐसे में कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता और भी प्रासंगिक हो गई है। डॉ. मोहन भागवत ने पहले भी कई अवसरों पर महिलाओं की भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि महिलाओं को सशक्त बनाना राष्ट्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने रूढ़िवादी रीति-रिवाजों और परंपराओं से महिलाओं को मुक्त करने की बात कही है। भागवत जी के अनुसार, भारत में महिला माता और शक्ति स्वरूप है। स्त्रियां सृजन की शक्ति हैं, वे रक्षा भी कर सकती हैं और निर्माण भी। भारतीय सभ्यता महिलाओं को समाज की नैतिक और सांस्कृतिक रीढ़ मानती है। समाज में महिलाओं की भूमिका हमेशा से केंद्र बिंदु रही है। घर-परिवार से लेकर राष्ट्र निर्माण तक वे अग्रणी रहती आई हैं। लेकिन आधुनिक चुनौतियों जैसे परिवारों के टूटने, मूल्यहीनता और सामाजिक परिवर्तनों के बीच मातृ शक्ति का मार्गदर्शन और नेतृत्व अत्यंत जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने पटना उच्च न्यायालय के बलात्कार का प्रयास फैसले पर उठाए गंभीर सवाल, कहा- अनुसंधान में रही बड़ी कमी

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाने से पहले पूरी तरह से रिसर्च न किए जाने पर चिंता जताई है। कोर्ट को बताया गया कि पटना हाई कोर्ट ने माना था कि किसी महिला की सलवार उतारने की कोशिश करना और उसकी छाती दबाकर शारीरिक छेड़छाड़ करना 'रेप की कोशिश' का अपराध नहीं माना जाएगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि वह पटना हाई कोर्ट के हालिया फैसले की समीक्षा करके एक विस्तृत आदेश जारी करेगी। मंगलवार को एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट को पटना हाई कोर्ट के इस आदेश के बारे में जानकारी दी। यह जानकारी इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर स्वतः संज्ञान लेकर की जा रही सुनवाई के दौरान दी गई, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पजामे का नाड़ा खोलना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना 'रेप की कोशिश' के अपराध के दायरे में नहीं आता है। सुनवाई के दौरान, बेंच ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी की एक्सपर्ट कमेटी द्वारा पेश की गई उस रिपोर्ट को मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराध के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता से जुड़े दिशा-निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया कि वे उसके द्वारा मंजूर की गई हैंडबुक या गाइडलाइंस में इस्तेमाल किए गए शब्दों का सख्ती से पालन करें। इससे पहले इस साल, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी को निर्देश दिया था कि वह यौन अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता और सहानुभूति लाने के लिए व्यापक गाइडलाइंस का ड्राफ़्ट तैयार करे।

राहुल गांधी की 'सीक्रेट' विदेश यात्राएं! बीजेपी ने पूछा- आखिर किससे मिलते हैं भारत के एलओपी?

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने बुधवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से पारदर्शिता को लेकर चिंता जताते हुए उनके विदेशी दौरों की जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की। पर एक पोस्ट में केशवन ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी लंबी विदेश यात्राओं से ब्रेक लेकर आखिरकार भारत आने का फैसला किया है। लेकिन उनकी विदेश यात्राओं को लेकर बरती जाने वाली गोपनीयता वाकई गंभीर चिंता का विषय है। राहुल गांधी पारदर्शिता और जवाबदेही से बचने वाले व्यक्ति हैं। बीजेपी नेता ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को अपनी विदेश यात्राओं के बारे में जनता को सफाई देनी चाहिए। केशवन ने लिखा कि वह लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, इसलिए हमारे लोगों और देश को उनकी गुपचुप यात्राओं के बारे में पारदर्शिता की उम्मीद करने का अधिकार है। इन यात्राओं को लेकर

बना रहस्य गंभीर संदेह और शक पैदा करता है कि वह कहाँ जा रहे थे, किससे मिल रहे थे और उनका एजेंडा क्या था? केशवन ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ विदेश यात्राओं के दौरान राहुल गांधी को ऐसे लोगों के साथ देखा गया जिन्हें उन्होंने भारत-विरोधी और भारत से नफरत करने वाले बताया। उन्होंने दावा किया कि ये सवाल इसलिए उठाए जा रहे हैं क्योंकि कई बार जब राहुल गांधी विदेश जाते हैं, तो उन्हें ऐसे लोगों और ताकतों के साथ घूमते-फिरते देखा गया है जो खुलेआम भारत-विरोधी हैं और भारत से नफरत करते हैं, तथा भारत-विरोधी एजेंडा फैलाते हैं। राहुल गांधी अक्सर कहते हैं 'डरो मत'। उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए यह सवाल उठाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इन दौरों की जानकारी देने से क्यों हिचकिचा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि अगर छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी विदेश दौरों की जानकारी बताने से क्यों डर रहे हैं?

संजय राउत के 'चोरी की संपत्ति' तंज पर एकनाथ शिंदे का पलटवार, बोले- घटिया टिप्पणियों का जवाब नहीं देता

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने संजय राउत के 'चोरी की संपत्ति' वाले आरोप को 'घटिया टिप्पणी' बताते हुए खारिज किया। शिंदे ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात विकास परियोजनाओं और अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए समर्थन मांगने हेतु गैर-राजनीतिक थी, जिसमें नए जुड़े सांसद भी शामिल थे। उन्होंने यूबीटी गुट की 'बर्बाद करने' वाली राजनीति के

मुंबई एजेंसी: उन्होंने शिवसेना के अपने गुट और यूटीबी गुट के बीच अंतर बताते हुए कहा कि वे 'बर्बाद करने' की भाषा बोलते हैं, जबकि हम 'आगे बढ़ने और विकास करने' की बात करते हैं। वे चार साल से गालियां दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करके वे खुद के लिए ही और बड़ी मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। महाराष्ट्र की जनता मजबूती से हमारे साथ खड़ी है। गृह मंत्री से अपनी हालिया मुलाकात का मकसद बताते हुए शिंदे ने कहा कि उनके साथ छह सांसद भी थे, जो हाल ही में उनके गुट में शामिल हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विकास कार्यों के लिए समर्थन मांगा और जोर देकर कहा कि यह मुलाकात पूरी तरह से गैर-राजनीतिक थी। शिंदे ने बताया कि हाल ही में छह सांसद शिवसेना में शामिल हुए हैं। हम अमित भाई से आशीर्वाद लेने और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों से जुड़े कई प्रस्ताव पेश करने के लिए उनसे मिलने गए थे। इनमें कृष्णा-मराठवाड़ा जैसी सिंचाई परियोजनाएं, साथ ही रेलवे, सड़क और मनरेगा व पीएम आवास योजना जैसी ग्रामीण विकास योजनाएं शामिल हैं। अमित भाई ने हमें भरोसा दिलाया है कि वे संबंधित मंत्रियों के साथ तालमेल बिठाकर इन मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने शिवसेना के

अपने गुट और UBT गुट के बीच अंतर बताते हुए कहा कि वे 'बर्बाद करने' की भाषा बोलते हैं, जबकि हम 'आगे बढ़ने और विकास करने' की बात करते हैं। वे चार साल से गालियां दे रहे हैं, लेकिन ऐसा करके वे खुद के लिए ही और बड़ी मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। महाराष्ट्र की जनता मजबूती से हमारे साथ खड़ी है। गृह मंत्री से अपनी हालिया मुलाकात का मकसद बताते हुए शिंदे ने कहा कि उनके साथ छह सांसद भी थे, जो हाल ही में उनके गुट में शामिल हुए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विकास कार्यों के लिए समर्थन मांगा और जोर देकर कहा कि यह मुलाकात पूरी तरह से गैर-राजनीतिक थी। शिंदे ने बताया कि हाल ही में छह सांसद शिवसेना में शामिल हुए हैं। हम अमित भाई से आशीर्वाद लेने और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों से जुड़े कई प्रस्ताव पेश करने के लिए उनसे मिलने गए थे। इनमें कृष्णा-मराठवाड़ा जैसी सिंचाई परियोजनाएं, साथ ही रेलवे, सड़क और मनरेगा व पीएम आवास योजना जैसी ग्रामीण विकास योजनाएं शामिल हैं। अमित भाई ने हमें भरोसा दिलाया है कि वे संबंधित मंत्रियों के साथ तालमेल बिठाकर इन मुद्दों का समाधान सुनिश्चित करेंगे। इससे पहले, संजय राउत ने शिंदे के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि क्या इस देश में अभी भी कानून का राज है? एकनाथ शिंदे दिल्ली की सड़कों पर वह चीज लेकर घूम रहे हैं जिसे मैं ह्यचोरी की संपत्तिह्न कहता हूँ, फिर भी कानून उन्हें रोकता नहीं है। वे मुंबई से यह ह्यचोरी का बंडलह्न देश के गृह मंत्री के पास ले गए हैं और कह रहे हैं, ह्ययह मेरी चोरी की संपत्ति है। कृपया इसे अपनी मंजूरी देंह्न अगर गृह मंत्री ऐसे कामों का समर्थन करते हैं, तो मुझे कानून के राज की स्थिति को लेकर गहरी चिंता है।

संपादकीय

पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था। दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलतः हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा।

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए

दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए। वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है।

यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है।

वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा। इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए। इससे तनाव कम होगा और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीति से ऊपर उठकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की है। किसी भी विचारधारा से मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य और जीवन पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। सोनम वांगचुक का संघर्ष अपनी जगह महत्वपूर्ण हो सकता है लेकिन उनका जीवन उससे कहीं अधिक मूल्यवान है।

इसलिए समय की मांग यही है कि सोनम वांगचुक अपना आमरण अनशन समाप्त करें और लोकतांत्रिक संघर्ष का कोई दूसरा प्रभावी मार्ग चुनें। इससे उनकी बात भी मजबूत होगी और उनका स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। आंदोलन तभी सफल माना जाएगा जब उसका नेतृत्व स्वस्थ रहकर समाज के लिए आगे भी काम करता रहे। जीवन रहेगा तभी संघर्ष भी जारी रहेगा और बदलाव की संभावना भी बनी रहेगी।

राम के मंदिर में पारदर्शिता की अग्निपरीक्षा

कुमार कृष्णन

अयोध्या का श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की आस्था, पांच शताब्दियों से अधिक लंबे संघर्ष, सामाजिक आंदोलनों और सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के बाद साकार हुए राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। देश के कोने-कोने से लोगों ने अपनी श्रद्धा के अनुसार इस मंदिर के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। किसी ने सौ रुपये दिए, किसी ने अपनी जीवन भर की बचत, तो किसी ने सोना-चांदी और बहुमूल्य धातुएं अर्पित कीं। इसलिए राम मंदिर से जुड़ा हर प्रश्न केवल एक ट्रस्ट या संस्थान का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रश्न है। यही कारण है कि मंदिर के चढ़ावे और दान में कथित अनियमितताओं का मामला जब सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा, तो इसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में दाखिल जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जवाब मांगा है। साथ ही उत्तर प्रदेश की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच की स्थिति रिपोर्ट भी तलब की गई है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई की तिथि भी निर्धारित कर दी है। न्यायालय का यह कदम किसी को दोषी ठहराना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि आरोपों की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो तथा सत्य सामने आए। लोकतंत्र में न्यायपालिका की यही भूमिका है–विश्वास बनाए रखना और कानून के शासन को मजबूत करना।याचिकाओं में आरोप लगाए गए हैं कि मंदिर में प्राप्त दान और चढ़ावे के प्रबंधन में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। कुछ कर्मचारियों पर चढ़ावे में कथित गबन, दान कक्ष की चाबियां अनधिकृत लोगों के पास रहने और वित्तीय प्रक्रियाओं में लापरवाही जैसे आरोप लगाए गए हैं। विश्व सिंधी सेवा संगम ने भी वर्ष 2021 में मंदिर को दान की गई लगभग दो सौ किलोग्राम चांदी की ईंटों का विधिवत रसीद नहीं मिलने और उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है। दूसरी ओर ट्रस्ट ने भी कुछ कर्मचारियों से जुड़ी पहचान निरस्त करने और दर्शन व्यवस्था में बदलाव जैसे कदम उठाए हैं। इन सबके बीच एसआईटी की जांच और न्यायालय की प्रक्रिया ही अंतिम सत्य का आधार बनेगी।

यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अभी आरोप हैं, फैसला नहीं। न्यायालय ने केवल जवाब मांगा है, किसी को दोषी घोषित नहीं किया है। इसलिए मीडिया, राजनीति और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि वे न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें। किसी को पहले से दोषी ठहराना भी अनुचित है और बिना जांच के हर आरोप को साजिश बताकर खारिज कर देना भी उतना ही गलत है।

लेकिन इस पूरे प्रकरण ने एक बड़ा सवाल अवश्य खड़ा किया है। क्या भारत की बड़ी धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की व्यवस्था पर्याप्त है? मंदिरों, गुरुद्वारों, मठों, दरगाहों और अन्य धार्मिक संस्थानों में हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का दान आता है। यह धन किसी कर के रूप में नहीं आता, बल्कि लोगों की आस्था का प्रतीक होता है। इसलिए उसका प्रबंधन भी उसी स्तर की पवित्रता और पारदर्शिता से होना चाहिए।

देश के कुछ प्रमुख धार्मिक संस्थानों ने आधुनिक वित्तीय प्रबंधन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। डिजिटल लेखा प्रणाली, ऑनलाइन दान, सीसीटीवी निगरानी, नियमित ऑडिट और सार्वजनिक आय-व्यय विवरण जैसी व्यवस्थाएं धीरे-धीरे बढ़ रही हैं। लेकिन अनेक स्थानों पर अब भी पारंपरिक व्यवस्था, सीमित निगरानी और अपर्याप्त जवाबदेही बनी हुई है। जब संस्थाओं का आकार और दान की मात्रा बढ़ जाती है, तब केवल परंपरा के भरोसे व्यवस्था नहीं चल सकती। आधुनिक प्रबंधन और पारदर्शिता को स्वीकार करना समय की आवश्यकता है।

दुर्भाग्य यह है कि भारत में धार्मिक संस्थाओं की पारदर्शिता पर सवाल उठते ही बहस का स्वरूप बदल जाता है। लोग तुरंत इसे धर्म बनाम अधर्म या आस्था बनाम षड्यंत्र की बहस बना देते हैं। जबकि वास्तविक प्रश्न केवल इतना है कि श्रद्धालुओं द्वारा दिया गया धन सुरक्षित है या नहीं और उसका उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुसार हो रहा है या नहीं। यह प्रश्न किसी धर्म के खिलाफ नहीं, बल्कि धर्म की गरिमा के पक्ष में है।

आस्था कभी भी पारदर्शिता से कमजोर नहीं होती। बल्कि पारदर्शिता आस्था को और मजबूत करती है। यदि किसी संस्था का लेखा-जोखा साफ है, उसकी प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं और उसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक जांच की कसौटी पर खरी उतरती है, तो उसकी प्रतिष्ठा और बढ़ती है। जो संस्था स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानती है, उसके प्रति विश्वास भी अधिक गहरा होता है।

राम का पूरा जीवन सत्य, मर्यादा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है। राम ने सत्ता को अधिकार नहीं, दायित्व माना। उन्होंने राजा होकर भी स्वयं को लोकमत और नैतिकता से ऊपर नहीं रखा। रामराज्य की अवधारणा केवल समृद्धि की नहीं, बल्कि न्याय, समानता और पारदर्शी शासन की अवधारणा है। यदि राम के नाम पर बने सबसे बड़े मंदिर में भी पारदर्शिता की मांग उठती है, तो उसे राम के आदर्शों के विरुद्ध नहीं, बल्कि उन्हीं के अनुरूप समझा जाना चाहिए।

यह विवाद एक अवसर भी हो सकता है। यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है और उसके आधार पर देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों के लिए आधुनिक वित्तीय मानक तय किए जाते हैं, तो इससे धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। हर बड़े धार्मिक ट्रस्ट के लिए स्वतंत्र वार्षिक ऑडिट, ऑनलाइन आय-व्यय विवरण, डिजिटल इन्वेंट्री, सीसीटीवी आधारित निगरानी, दान की वस्तुओं का वैज्ञानिक अभिलेखीकरण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करना अनिवार्य बनाया जा सकता है। इससे न केवल विवाद कम होंगे, बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी बढ़ेगा।

राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर संयम बरतना चाहिए। राम मंदिर किसी दल की राजनीतिक संपत्ति नहीं है। यह करोड़ों भारतीयों की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसलिए इस मामले को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। न्यायालय को अपना काम करने देना चाहिए और जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के तथ्य सामने लाने चाहिए।

लोककवि कैलाश गौतम की चर्चित कविता गान्ही जी की एक पंक्ति यहां अनायास याद आती है– तोहरै नाव बिकत हो सगरो...। यह पंक्ति केवल गांधी पर नहीं, बल्कि उन सभी परिस्थितियों पर लागू होती है, जहां महापुरुषों के नाम का सम्मान तो किया जाता है, लेकिन उनके मूल्यों की उपेक्षा होती है। यही बात राम पर भी लागू होती है। यदि राम के नाम पर मंदिर बने और उसी मंदिर में पारदर्शिता पर प्रश्न उठें, तो सबसे पहले चिंता उन्हीं लोगों को होनी चाहिए, जो राम को मर्यादा पुरुषोत्तम मानते हैं।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए।

अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जगन्नाथ महायात्रा : आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे ह्यमहायात्राह्ण कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो। यही कारण है कि जगन्नाथ रथयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मविशुद्धि, लोकमंगल, समरसता, सेवा और आध्यात्मिक जागरण का अनुपम पर्व है। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के वैचारिक, सामाजिक और धार्मिक विभाजनों से गुजर रहा है, तब भगवान जगन्नाथ की यह महायात्रा हमें स्मरण कराती है कि धर्म का वास्तविक उद्देश्य विवाद नहीं, बल्कि संवाद है। वर्चस्व नहीं, बल्कि समन्वय है और बाहरी आडम्बर नहीं, बल्कि अंतःकरण की पवित्रता है। यही इस महायात्रा का सनातन संदेश है कि जीवन का रथ तभी सही दिशा में चलता है जब उसमें श्रद्धा, सेवा, समरसता, आत्मसंयम और लोककल्याण के पहिए समान गति से चलते रहें। यही जगन्नाथ महायात्रा की शाश्वत महिमा है और यही इसकी वैश्विक प्रासंगिकता।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

पुलिस अधीक्षक ने चौकी एवं हल्का प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा की, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार में जनपद में नियुक्त समस्त चौकी एवं हल्का प्रभारियों के कार्यों की समीक्षा हेतु गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण, निरोधात्मक कार्यवाही, एनबीडब्ल्यू (NBW) के शत-प्रतिशत तामील, एमवी एक्ट के अंतर्गत प्रभावी प्रवर्तन एवं चालान कार्रवाई, विभिन्न स्तरों से प्राप्त प्रार्थना-पत्रों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, बरामदगी शेष गुमशुदाओं की शीघ्र बरामदगी, अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने तथा आगामी आयोजनों के दृष्टिगत सतर्क रहकर प्रभावी पुलिसिंग करने के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी चौकी एवं हल्का प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण, संवेदनशील स्थानों पर सतत निगरानी, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, जनसुनवाई को प्राथमिकता देने तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही सभी अधिकारियों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ किसान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किसान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में किसानों की समस्याओं की सुनवाई की गई। विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने अपनी समस्याओं एवं सुझावों से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने एक-एक कर किसानों की शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने विगत किसान दिवस में मध्य गंगा नहर से संबंधित किसान की समस्या का अभी तक निस्तारण न करने और अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग का स्पष्टीकरण जारी करने के साथ जुलाई माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए। किसान दिवस में किसानों ने अमरोहा-अतरासी मार्ग पर जलभराव की समस्या के समाधान, गंगा एक्सप्रेस-वे के सर्विस रोड पर ब्रेकर की वजह से आ रही समस्या, तीन लाख रुपये से अधिक की केसीसी पर अधिक ब्याज लेने एवं सब्सिडी न मिलने की समस्या, हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव पथरा एवं अन्य गांवों में अंश निर्धारण कराने और किसानों को सुलभ ऋण एवं खाद उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण संपर्क मार्गों की मरम्मत सहित विभिन्न समस्याएं उठाईं। बैठक में जिला कृषि अधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में 16 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक कृषि यंत्रों की बुकिंग की जाएगी, जिसके लिए किसान भाई बुकिंग कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान दिवस का उद्देश्य किसानों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा किसानों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाया जाए।किसान दिवस में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, किसान यूनियन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

डीएम-एसपी ने कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुगमता के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बम्बूगढ़ चौराहे से सम्भल चौराहे, जोया-सम्भल मार्ग पर फहेत्तपुर टिकिया और इसके आगे सम्भल-अमरोहा बॉर्डर पर ग्राम फहेत्तपुर अब्बू और माफीपुर निरीक्षण करते हुये नगर पंचायत सैदनगली होते हुये सम्भल-हसनपुर मार्ग पर उझारी तदोपरान्त हसनपुर सहित विभिन्न कांवड़ मार्गों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्राम फत्तेहपुर टिकिया में सम्भल-जोया मार्ग पर हो रहे चौड़ीकरण मार्ग के सम्बन्ध में सम्बधित को निर्देश दिये उक्त कार्य जल्दी से जल्दी पूर्ण कर लिया जाये। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, पेयजल, सड़क पर गड्ढे, जलभराव, यातायात प्रबंधन एवं रूट डायवर्जन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने निर्देश दिए कि जिन व्यवस्थाओं का कार्य अभी शेष है, उन्हें शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ करने तथा संबंधित विभागों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, सीसीटीवी कैमरों से सतत मॉनिटरिंग तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर पुलिस बल पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहे। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी हसनपुर हिमान्शु उपाध्याय, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में पेंशन गोष्ठी आयोजित, पेंशन कार्यकारिणी समिति का किया गया गठन

अमरोहा (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा की अध्यक्षता में बुधवार को पुलिस लाइन अमरोहा स्थित सभागार में जनपद के सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पेंशन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही पुलिस विभाग एवं सेवानिवृत्त कार्मिकों के मध्य बेहतर समन्वय एवं सतत संवाद बनाए रखने के उद्देश्य से पेंशन कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। गठित समिति में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया गया। समिति का उद्देश्य सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान में सहयोग प्रदान करना, उनके हितों का संरक्षण करना तथा आवश्यकतानुसार पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करना रहेगा। अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने उपस्थित सभी सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के विभाग के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु पुलिस प्रशासन सदैव संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है। गोष्ठी का समापन सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

अमरोहा में विश्व युवा कौशल दिवस का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, लखनऊ के निदेर्शानुसार विश्व युवा कौशल दिवस का आयोजन बुधवार को श्री मोती स्मृति आईटीआई, कैलसा रोड, अमरोहा में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरि सिंह ढिल्लो, सदस्य विधान परिषद के प्रतिनिधि भूप सिंह बेनिवाल, जिला महामंत्री भाजपा एवं धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में राजकीय एवं निजी आईटीआई के मेधावी प्रशिक्षणार्थियों तथा उन स्किल्ड युवाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए, जो विभिन्न उद्योगों में सेवारत हैं या स्वरोजगार स्थापित कर दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। अपर जिलाधिकारी धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में स्किल्ड युवाओं की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि युवा जॉब सीकर न बनकर जॉब क्रिएटर बनें। भूप सिंह बेनिवाल ने युवाओं से अपील की कि औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास प्रशिक्षण अवश्य लें, जिससे उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में डॉ. सुशील कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी एवं जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर नोडल प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा, प्रधानाचार्य सचिन आर्या, जनपद के सभी आईटीआई प्रधानाचार्य एवं उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के आदेश पर चार खण्ड शिक्षा अधिकारियों का स्थानांतरण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के आदेश दिनांक 14 जुलाई 2026 के अनुपालन में चार खण्ड शिक्षा अधिकारियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार खण्ड शिक्षा अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित विकास खण्ड में तत्काल कार्यमुक्त होकर नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें नए स्थानांतरण में खंड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार अमरोहा नगर अमरोहा से हसनपुर व नगर हसनपुर में, खंड शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार गंगेश्वरी से जोया व मुख्यालय पर, ओर खंड शिक्षा अधिकारी अरुण कुमार को हसनपुर से अमरोहा व नगर अमरोहा साथ ही उदयवीर सिंह को नगर हसनपुर से गंगेश्वरी स्थानांतरण किया गया है। जिलाधिकारी कार्यालय ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे तत्काल कार्यमुक्त होकर नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करें और अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को सूचित करना सुनिश्चित करें। यह स्थानांतरण जनपद में शिक्षा विभाग की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से किया गया है। नए कार्यभार ग्रहण करने के बाद सभी अधिकारी अपने-अपने विकास खण्ड में शैक्षिक गुणवत्ता, मध्याह्न भोजन, पाठ्यक्रम क्रियान्वयन एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जय शिव कन्या इंटर कॉलेज में जिला क्रीड़ा समिति की बैठक सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जय शिव कन्या इंटर कॉलेज, बुडेरना में जिला क्रीड़ा समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश यादव ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक चारू शर्मा, कोषाध्यक्ष पवन शर्मा एवं प्रधानाचार्या पूनम चाहल द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत के साथ हुआ। बैठक में शैक्षिक सत्र 2026-27 के दौरान खेल प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन, खिलाड़ियों के चयन, खेल सुविधाओं के विस्तार और विद्यालय स्तर पर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि जनपद अमरोहा मंडल स्तरीय सात खेल प्रतियोगिताओं कबड्डी, योगासन, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, हैंडबॉल एवं एथलेटिक्स का आयोजन किया जाएगा। जनपदीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता की जिम्मेदारी ए.के.के. इंटर कॉलेज, अमरोहा को सौंपी गई। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश यादव ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख माध्यम है। उन्होंने सभी विद्यालयों से समन्वय बनाकर प्रतियोगिताओं को सुव्यवस्थित एवं गरिमामय बनाने का आह्वान किया, ताकि अमरोहा मंडल स्तर पर उत्कृष्ट पहचान बना सके। बैठक के उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र सिंह ने किया। अंत में प्रबंधक चारू शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी सोनू कुमार, माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय मंत्री डॉ. जी. पी. सिंह, वित्तविहीन शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नरेश सिद्धू, स्नेहलता, धर्म सिंह, आदिल अब्बासी वीरेंद्र गुप्ता,महीपाल सिंह , महेश उपाध्याय, सुधाकर ब्रजपाल सिंह, डा. जागन लाल, जयवीर सिंह, क्रीड़ा प्रभारी विजय सिंह सुमन सैनी सहित जनपद के अनेक प्रधानाचार्य एवं व्यायाम शिक्षक उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में सभी करें सहयोग:- एसएचओ संजय तोमर

स्योहारा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक, डीजे, सुरक्षा, यातायात और स्वच्छता पर हुई विस्तृत चर्चा

बिजनौर/स्योहारा(सब का सपना):- आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से बुधवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) संजय तोमर ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ पत्रकार इकबाल रूमानी ने किया। बैठक में नगर एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, कांवड़ सेवा शिविरों के पदाधिकारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर अपने सुझाव दिए। बैठक को संबोधित करते हुए एसएचओ संजय तोमर ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का महापर्व है और इसे शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन जनसहयोग के बिना कोई भी व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। उन्होंने सभी शिविर संचालकों एवं आयोजकों से शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति डीजे का संचालन प्रतिबंधित रहेगा तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जाएगा। उन्होंने भंडारा आयोजकों से अपील की कि सड़क पर अतिक्रमण न करें, यातायात व्यवस्था प्रभावित न होने दें तथा शिविरों के आसपास साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था रखें। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक शिविर में स्वयंसेवकों की तैनाती तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने का भी आग्रह किया गया। प्रेस क्लब संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सेवा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिविर संचालकों को श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ-साथ स्वच्छता, चिकित्सा सहायता और पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। हेल्पलाइन सोसायटी के संरक्षक डॉ. एच.एस. कालड़ा ने कहा कि कांवड़ यात्रियों की सेवा पुण्य का कार्य है, लेकिन सेवा के साथ अनुशासन भी आवश्यक है। उन्होंने सभी से प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की। प्रेस क्लब अध्यक्ष कांता प्रसाद 'पुष्पक' ने कहा कि नगरवासियों की परंपरा रही है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन का भरपूर सहयोग करते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आपसी भाईचारा बनाए रखने, यातायात नियमों का पालन करने तथा श्रद्धालुओं के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार अपनाने का आह्वान किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विनीत देवरा ने कहा कि कांवड़ यात्रा जनसहभागिता का पर्व है। सभी सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों को मिलकर ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों में प्राथमिक चिकित्सा, पेयजल और स्वच्छता की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज राणा, नगर पालिका के नामित सदस्य अमित शर्मा, रामलीला कमेटी के राजपाल प्रजापति, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शशांक विश्नोई, कांवड़ सेवा शिविर अध्यक्ष एवं संचालक प्यारे लाल सैनी, भाजपा सहसपुर मंडल अध्यक्ष खजान सिंह, जसवंत सिंह, आफाक ठेकेदार, ग्राम प्रधान नौगरा सुशील चौधरी, नगर पालिका स्योहारा से चांद मोहम्मद, सहसपुर नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक सलमान अली सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने तथा कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का संकल्प लिया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा,दो युवक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार दोपहर हुए एक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एंबुलेंस कर्मियों ने दोनों घायलों को मौके से सुरक्षित निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायलों की पहचान राजेश (35) पुत्र राजकुमार तथा प्रांजल (33) पुत्र कमलेश, निवासी जनपद आजमगढ़, के रूप में हुई है। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने दोनों की चिकित्सकीय जांच की। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद कुछ देर के लिए एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही यूपीडा की एंबुलेंस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया, जिससे उन्हें शीघ्र चिकित्सा सुविधा मिल सकी। फिलहाल दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

काउंसलिंग से सुलझे पारिवारिक विवाद, 14 परिवारों का हुआ पुनर्मिलन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के आदेश एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज रावत तथा क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के निर्देशन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न वैवाहिक विवादों को आपसी सहमति और काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलरों ने दोनों पक्षों की बातें गंभीरता से सुनते हुए उन्हें रिश्तों की अहमियत समझाई और आपसी मतभेद दूर कर परिवार को बचाने का प्रयास किया। बैठक के दौरान कुल 52 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। इनमें से 28 मामलों का निस्तारण किया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि 14 परिवारों के बीच सुलह-समझौता कराकर उन्हें पुनः एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। वहीं 6 मामलों में कानूनी कार्रवाई की संस्तुति की गई। इसके अलावा 8 पत्रावलियां आवेदकों द्वारा बल न देने अथवा अन्य कारणों से बंद कर दी गईं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पति-पत्नी के बीच छोटे-छोटे विवादों को न्यायालय की लंबी प्रक्रिया में जाने से पहले आपसी संवाद और समझौते के माध्यम से सुलझाना है, ताकि परिवार टूटने से बच सकें और सामाजिक सौहार्द बना रहे। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण हटाने के बाद मढ़न पहुंचे डीएम और एसपी, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

असमोली/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना असमोली क्षेत्र के ग्राम मढ़न में कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित ईदगाह के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद बुधवार को जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई की जानकारी ली और शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने संवेदनशीलता को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को सतर्क रहने और किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से बताया गया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है तथा पूरे क्षेत्र की लगातार निगरानी की जा रही है। जिला प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने, अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने की अपील की है।
प्रशासन का कहना है कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी फैलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

21 जुलाई को जिला मुख्यालय पर किसान आंदोलन की हुंकार, भाकियू टिकैत ने बनाई रणनीति

बहजोई/संभल(सब का सपना): जनपद के बहजोई रेलवे स्टेशन प्रांगण में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) की आवश्यक पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा एवं भाकियू टिकैत के राष्ट्रीय आह्वान पर 21 जुलाई को जिला मुख्यालय संभल पर प्रस्तावित किसान आंदोलन को सफल बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो जनपद में ऐतिहासिक और आर-पार का आंदोलन किया जाएगा। पंचायत को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध जताया और कहा कि यह किसानों के हितों के खिलाफ है। इसके साथ ही गंगा एक्सप्रेसवे, हाईवे और अन्य परियोजनाओं के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग उठाई गई। किसानों का कहना था कि पिछले दस वर्षों से भूमि के सर्किल रेट में वृद्धि नहीं हुई है, जिससे किसानों को उचित मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। पंचायत में निर्णय लिया गया कि जनपद स्तरीय समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रमुख मांगों में किसानों को नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति, बिजलीघरों की क्षमता वृद्धि, यूरिया और डीएपी की कालाबाजारी पर रोक, आधार कार्ड के माध्यम से खाद वितरण, अंश निर्धारण की त्रुटियों को गांव-गांव शिविर लगाकर दूर करना, गंगा एक्सप्रेसवे पर सर्विस रोड का निर्माण पूरा करना, कटों पर स्पीड ब्रेकर लगाना तथा जिन किसानों की भूमि गंगा एक्सप्रेसवे में अधिग्रहित हुई है उन्हें टोल टैक्स में छूट देने की मांग शामिल रही। इसके अलावा मक्का की सरकारी खरीद का लक्ष्य बढ़ाने सहित अन्य किसान हितों से जुड़ी मांगें भी उठाई गईं।
किसान नेताओं ने कहा कि शासन-प्रशासन लगातार किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रहा है, जिससे किसानों में भारी आक्रोश है। यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो 21 जुलाई को जिला मुख्यालय पर आर-पार का आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन वर्ष 2020-21 के दिल्ली किसान आंदोलन की तर्ज पर होगा, जिसमें हजारों किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों के साथ अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करेंगे। पंचायत में निर्णय लिया गया कि 21 जुलाई को सभी भाकियू कार्यकर्ता और पदाधिकारी दोपहर 12 बजे मंडी समिति बहजोई में एकत्रित होंगे, जहां से काफिले के रूप में जिला मुख्यालय संभल के लिए कूच करेंगे। आंदोलन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन भी कर दिया गया। पंचायत में उदयवीर सिंह यादव, रामवीर सिंह यादव, अमर सिंह राजपूत, राजपाल सिंह, देशराज सिंह, मुकेश यादव, डॉ. पुरेंद्र सिंह यादव, सत्यपाल सिंह यादव, चंद्रपाल सिंह यादव, कल्याण सिंह प्रधान, अंकित ठाकुर यादव, डॉ. दिनेश कुमार, दुर्गपाल कुशवाह, डॉ. हनीफ खान, मुहम्मद जैद, मुनेंद्र सिंह यादव, राकेश यादव, रघुनंदन भगत, चंद्रप्रकाश यादव, निर्भय ठाकुर, दीनदयाल सिंह, वीरपाल सिंह, देवेंद्र सिंह यादव, मनवीर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। पंचायत की अध्यक्षता महावीर सिंह नेता ने तथा संचालन महेश यादव ने किया।

राज्य कर विभाग का राज्य मंत्री गुलाबो देवी ने किया भूमि पूजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- राज्य कर विभाग के जिला स्तरीय कार्यालय एवं आवासीय परिसर का मंगलवार को वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी मुख्य अतिथि रहीं। भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह रिंकू समेत विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।जनपद के गांव किसौली में एक भूमि पर बनने वाले इस कार्यालय और आवासीय परिसर के निर्माण पर 13.70 करोड़ रुपये खर्च होंगे। शासन ने निर्माण कार्य के लिए कार्यदायी संस्था पीडब्ल्यूडी, मुरादाबाद को पहली किस्त के रूप में 3.45 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। उपायुक्त (प्रशासन) राज्य कर लल्लन प्रसाद यादव ने बताया कि भूमि पूजन के साथ ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री गुलाब देवी, भाजपा जिलाध्यक्ष और मेंथा उद्योगपति फूल प्रकाश ने शिलान्यास किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य अवधेश प्रताप सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अंकित जैन, मंडल अध्यक्ष अंकुर अग्रवाल सहित कई अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।उन्होंने बताया कि जनवरी 2023 में तत्कालीन जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कार्यालय निर्माण के लिए भूमि की पैमाइश कराई थी। ग्राम समाज से भूमि हस्तांतरित होने के बाद कार्यालय और आवासीय भवन का नक्शा तैयार किया गया।
वर्तमान में राज्य कर विभाग के जिला स्तरीय कार्यालय संभल और चंदौसी से संचालित हो रहे हैं। संभल कार्यालय किराए के भवन में संचालित है। नया परिसर बनने के बाद चंदौसी कार्यालय को यहां स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि संभल कार्यालय यथावत रहेगा।
राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा कि यह जिला स्तरीय राज्य कर कार्यालय जनपद के केंद्र बिंदु पर बन रहा है, जिससे सभी विधानसभा क्षेत्रों के लोगों और व्यापारियों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाला यह परिसर विभागीय कार्यों को अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाएगा।

हिमानी दलाल ने किया गांव का नाम रोशन, सिविल पुलिस में उपनिरीक्षक (एसआई) पद पर हुई चयनित

बीबीनगर/बुलंदशहर (सब का सपना):- चित्सोना अल्लीपुर की होनहार बेटी हिमानी दलाल ने सिविल पुलिस में उपनिरीक्षक (एसआई) पद पर चयनित होकर अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे गांव में खुशी का माहौल है चित्सोना अल्लीपुर गाँव में जन्मी, हिमानी दलाल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा सनराइज पब्लिक स्कूल से प्राप्त की, जहां से उन्होंने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। आसपास उच्च शिक्षा के लिए बेहतर शिक्षण संस्थान उपलब्ध न होने के कारण उन्हें स्नातक की पढ़ाई के लिए गाजियाबाद जाना पड़ा।जहा से ग्रेजुएशन पूरी करने के बाद हिमानी ने पूरी लगन और मेहनत के साथ सिविल पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी की और अपने अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हुए सिविल पुलिस में एसआई पद हासिल किया। हिमानी की इस सफलता पर माता प्रभा और पिता राजीव कांत के साथ साथ ,परिवार, विद्यालय और गांव के लोगों में गर्व का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि बताते हुए कहा कि हिमानी ने यह साबित कर दिया है कि कठिन परिश्रम और दृढ़ इच्छाशक्ति से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। गाँव व परिवार ने भी उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

बहजोई सीएचसी में शुरू हुआ अत्याधुनिक ट्रॉमा सेंटर, घायलों को मिलेगा त्वरित इलाज

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पांच बेड का अत्याधुनिक इमरजेंसी ट्रॉमा एवं एफआरयू (फर्स्ट रेफरल यूनिट) शुरू कर दिया गया है। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल की पहल और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक के निर्देशन में शुरू की गई इस सुविधा का उद्देश्य गंगा एक्सप्रेसवे पर होने वाले सड़क हादसों में घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनमोहन शर्मा ने बताया कि राज्य बजट से लगभग 70 वर्ष पुरानी इमारत का जीर्णोद्धार कर उसे आधुनिक ट्रॉमा सेंटर का स्वरूप दिया गया है। यूनिट को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, मरीजों की निगरानी के लिए मॉनिटर, ईसीजी मशीन और सक्शन मशीन जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया गया है। इसके साथ ही 108, 102 और एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंस सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। ट्रॉमा सेंटर के संचालन के लिए ऑथोर्पेडिक सर्जन सहित 10 डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। सिद्धि विनायक मेडिकल कॉलेज के ऑथोर्पेडिक सर्जन डॉ. सुजल राज सप्ताह में दो दिन अपनी सेवाएं देंगे। वहीं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनमोहन शर्मा, डॉ. सचिन वर्मा तथा महिला चिकित्सक डॉ. स्वाति रस्तोगी सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी भी मरीजों के उपचार में योगदान देंगे। अधिकारियों के अनुसार गंगा एक्सप्रेसवे पर हर माह कई सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। ऐसे मामलों में घायलों को 'गोल्डन आवर' के भीतर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना बेहद जरूरी होता है। ट्रॉमा सेंटर शुरू होने से मरीजों को पहले बहजोई में ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार और स्थिर किया जाएगा, इसके बाद आवश्यकता पड़ने पर जिला अस्पताल संभल या उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जाएगा। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने कहा कि इस ट्रॉमा यूनिट के शुरू होने से गंगा एक्सप्रेसवे पर होने वाले सड़क हादसों में घायलों को समय पर उपचार मिल सकेगा और कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। साथ ही बहजोई, संभल, पंवासा, रजपुरा, गुन्नौर और जुनावई क्षेत्र की बड़ी आबादी को भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत, साथी गंभीर घायल

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से झुलस गया। हादसा उस समय हुआ, जब दोनों एक मकान में प्लास्टर का कार्य कर रहे थे और लोहे के पाइप हाईटेंशन लाइन से छू गए। मृतक की पहचान महेंद्र (45 वर्ष) निवासी गांव नवाबपुरा, थाना चंदौसी के रूप में हुई है। वहीं दूसरा मजदूर महेंद्र पुत्र बद्री (32 वर्ष) निवासी नवाबपुरा कैथल, थाना चंदौसी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दोनों मजदूर चंदौसी में एक मकान पर प्लास्टर का कार्य करने गए थे। कार्य के दौरान दीवार के अंदर से जा रहे दो लोहे के पाइप अचानक पास से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गए। पाइपों में करंट दौड़ने से दोनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना चंदौसी में तैनात कांस्टेबल पुष्पेंद्र सिंह ने दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। गंभीर रूप से घायल मजदूर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया गया। वहीं दूसरे मजदूर की मौत मौके पर ही हो गई।
पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है, जबकि घायल मजदूर का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

वृक्षों से ही जीवन संभव:- चैतन्य हरि शर्मा

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- सूरजभान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 39वीं यूपी बटालियन एनसीसी खुर्जा के तत्वावधान में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अवसर पर एएनओ चैतन्य हरि शर्मा ने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के आभूषण हैं और इन्हीं से जीवन संभव है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स से प्रत्येक जन्मदिन पर एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कर्नल मनु तिवारी के नेतृत्व में सीटीओ पवन त्यागी, प्रधानाचार्य धर्मवीर सिंह, प्रबंधक अनिल मित्तल, विजेंद्र शर्मा एवं आशीष मित्तल सहित कैडेट्स ने पौधारोपण किया।

भाकियू (अराजनीतिक) के ब्लॉक अध्यक्ष पर गुलदार का हमला, ग्रामीणों में दहशत

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव नौगरा में आबादी के समीप गुलदार की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बुधवार सुबह गुलदार ने भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के ब्लॉक अध्यक्ष आलोक डागर पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घायल का बिजनौर में उपचार कराया गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़कर सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ने की मांग की है। गांव नौगरा निवासी एवं भाकियू (अराजनीतिक) के ब्लॉक अध्यक्ष आलोक डागर ने बताया कि वह बुधवार सुबह रोजाना की तरह गांव के बाहर सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान समीप के खेत से निकले गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, जिसके बाद गुलदार जंगल की ओर भाग गया। घायल अवस्था में आलोक डागर को उपचार के लिए बिजनौर ले जाया गया। ग्रामीण लोकेन्द्र चौधरी, प्रमोद कुमार सहित अन्य लोगों का कहना है कि नौगरा-बेरखेड़ा मार्ग पर गुलदार अक्सर दिखाई देता है, जिससे राहगीरों और किसानों में भय बना रहता है। अब हमले की घटना के बाद ग्रामीण अकेले घर से निकलने में भी घबराने लगे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गांव के आसपास पिंजरा लगाकर गुलदार को पकड़ने तथा उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ने की मांग की है। इस संबंध में डिप्टी रेंजर विजय भारत सिंह ने बताया कि ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। साथ ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति से अवगत करा दिया गया है और गांव के आसपास पिंजरा लगाने की कार्रवाई की जाएगी।

प्राचीन देवता स्थल पर तोड़फोड़ से ग्रामीणों में आक्रोश, भारी पुलिस बल तैनात

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम पूरनपुर गढ़ी स्थित एक प्राचीन देवता स्थल पर तोड़फोड़ की घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार प्राचीन देवता स्थल पर रखी ईंटों एवं अन्य अवशेषों को क्षतिग्रस्त किया गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें शांत कराया। पुलिस क्षेत्राधिकारी आकांक्षा गौतम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चार नाबालिगों द्वारा देवता स्थल की ईंटें तोड़े जाने की जानकारी सामने आई है। सभी नाबालिगों से पूछताछ की जा रही है तथा घटना के कारणों की जांच की जा रही है।
पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को निष्पक्ष जांच का आश्वासन देते हुए कहा कि दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है। फिलहाल गांव में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस पूरे क्षेत्र में सतर्क निगरानी रखे हुए है और मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर बिजनौर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर

यात्रा को सुरक्षित, सुचारु और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी जसजीत कौर और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की
बैठक में कांवड़ मार्ग पर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा करने के निर्देश दिए गए

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावली थाना क्षेत्र स्थित मोटा महादेव मंदिर परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में जनपद के सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने पेयजल, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर संबंधित विभागों को पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि बिजनौर जनपद में प्रवेश करने वाले कांवड़ यात्रियों का भव्य स्वागत किया जाएगा और उनकी सुरक्षा व सुविधा के लिए
प्रशासन की ओर से हर संभव व्यवस्था की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासनिक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रशासन का दावा है कि इस बार कांवड़ियों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सुविधाओं के साथ यात्रा का अनुभव मिलेगा। जसजीत कौर, जिलाधिकारी बिजनौर

नन्हे स्ट्रीट डॉग की बहादुरी का वीडियो वायरल, जंगली हाथियों के सामने डटा रहा 'पहरेदार'

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक छोटा-सा स्ट्रीट डॉग दो विशालकाय जंगली हाथियों के सामने निडरता से डटा दिखाई देता है। वीडियो ने लोगों को हैरान करने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर कर दिया है। वायरल वीडियो में दो जंगली हाथी खेतों की ओर बढ़ते नजर आते हैं। तभी एक स्ट्रीट डॉग बिना किसी भय के लगातार भौंकते हुए उनके सामने आ जाता है। वह हाथियों का पीछा करते हुए उन्हें खेतों से दूर रखने का प्रयास करता है। कुछ देर बाद हाथी आगे बढ़ते हुए जंगल की दिशा में चले जाते हैं। सोशल मीडिया पर अनेक लोग इसे कुत्ते की असाधारण बहादुरी का उदाहरण बता रहे हैं। वीडियो पर प्रतिक्रियाएं भी कम रोचक नहीं हैं। कई लोगों ने इस नन्हे जीव को "नन्हा पहरेदार" और "असल हीरो" की संज्ञा दी है। वहीं कुछ लोग इसे एक प्रतीकात्मक घटना मान रहे हैं। उनका कहना है कि कई बार छोटे-से प्रयास भी बड़ा संदेश दे जाते हैं। यह दृश्य उस स्थिति की याद दिलाता है, जब जिन पर फसलों और वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी होती है, वे दिखाई नहीं देते, जबकि एक छोटा-सा जीव अपने स्वाभाविक साहस से खेतों की रक्षा करता नजर आता है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यह स्पष्ट नहीं है कि यह घटना बिजनौर के किस क्षेत्र की है और कब की है। उपलब्ध वीडियो के आधार पर यह भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि हाथियों के लौटने का कारण केवल कुत्ते का प्रतिरोध ही था। फिर भी, यह वीडियो साहस, सतर्कता और कर्तव्यबोध का एक सशक्त प्रतीक बनकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

शराब के ठेके पर महिलाओं का हंगामा, ठेका हटाने की मांग

जलीलपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के जलीलपुर ब्लॉक के गांव धीवरपुरा में शराब के ठेके का महिलाओं ने जोरदार विरोध करते हुए हंगामा किया। महिलाओं का आरोप है कि ठेके के कारण गांव का माहौल खराब हो रहा है और आए दिन असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है, जिससे महिलाओं और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
महिलाओं ने ठेके को गांव से हटाने की मांग करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई
तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और महिलाओं को समझाकर शांत कराया। प्रशासन ने मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मान सरकार की मावां धियां सत्कार योजना में लुधियाना सबसे आगे, पूरे राज्य में 68 लाख के पार पहुंचा आंकड़ा

चंडीगढ़। भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की माँवां धियां सत्कार योजना के तहत लुधियाना सबसे अधिक लाभार्थियों वाला जिला बनकर उभरा है। इस योजना के तहत जिले में 7.4 लाख लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया गया है। लुधियाना के बाद पटियाला में 5.3 लाख, अमृतसर में 4.9 लाख, जालंधर में 4.8 लाख, गुरदासपुर में 4.4 लाख और होशियारपुर में 4.2 लाख लाभार्थी योजना से जुड़े हैं। राज्य में सबसे कम रजिस्ट्रेशन मालेरकोटला ज़िले में दर्ज किया गया है, जहाँ 1.3 लाख लाभार्थी योजना से जुड़े हैं। पूरे पंजाब में 14 जुलाई 2026 तक कुल 68.9 लाख लाभार्थियों का इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि लुधियाना, पटियाला, अमृतसर, जालंधर, गुरदासपुर और होशियारपुर जैसे ज़िलों में अधिक रजिस्ट्रेशन के पीछे कई कारण हैं, जिनमें अधिक आबादी, मजबूत प्रशासनिक नेटवर्क और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति अधिक जागरूकता शामिल हैं। उन्होंने कहा, ह्योजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए पूरी सरकारी मशीनरी मिलकर काम कर रही है।ह्व अधिक रेजिस्ट्रेशनों के पीछे बड़ी जनसंख्या एक प्रमुख कारण है। इन ज़िलों में शहरी और ग्रामीण आबादी अधिक है, विधानसभा क्षेत्रों की संख्या अधिक है और पात्र परिवारों की संख्या भी अधिक है, जिससे लाभार्थियों की संख्या स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। लुधियाना, अमृतसर और जालंधर जैसे बड़े शहर रोजगार, शिक्षा और आजीविका के अवसरों के लिए आसपास के ज़िलों के लोगों को भी आकर्षित करते हैं, जिससे यहाँ रहने वाली आबादी में वृद्धि होती है। इन ज़िलों में परिवार ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित हैं, जिससे बेटियों वाले परिवारों को सहायता प्रदान करने वाली कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्र लाभार्थियों की संख्या बढ़ती है। जन्म पंजीकरण, आधार नामांकन, बैंक खातों की उपलब्धता और अन्य आवश्यक दस्तावेजों की बेहतर व्यवस्था ने भी अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ लेने में मदद की है। ज़िला प्रशासन ने जागरूकता अभियान चलाने के साथ-साथ स्थानीय निकायों (लोकल बॉडीज) और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के सहयोग से पात्र परिवारों को आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया है। अधिकारियों ने आवेदनों के वेरिफिकेशन और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरा करने पर विशेष ध्यान दिया, जिससे लाभार्थियों की संख्या बढ़ी है। इसके विपरीत, मालेरकोटला जैसे कम आबादी वाले ज़िलों में लाभार्थियों की संख्या कम दर्ज की गई है। कम जनसंख्या और पात्र परिवारों की अपेक्षाकृत संख्या के कारण इन ज़िलों में पंजीकरण भी कम रहा है।

फाजिल्का नगर परिषद चुनाव का रास्ता साफ, हाई कोर्ट का आदेश, 7 दिन में बैठक बुलाई जाए

चंडीगढ़। फाजिल्का नगर परिषद में लंबे समय से लंबित शपथ ग्रहण और अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के चुनाव का रास्ता अब साफ हो गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भाजपा पार्षदों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार को सात दिनों के भीतर आवश्यक बैठक बुलाने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि नव-निर्वाचित पार्षदों का शपथ ग्रहण कराने के साथ-साथ नगर परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव भी इसी बैठक में कराया जाए। यह मामला उस समय अदालत पहुंचा था जब भाजपा के नव-निर्वाचित पार्षदों ने आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम आने के बावजूद शपथ ग्रहण और नगर परिषद के गठन की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की जा रही है। इसके चलते नगर परिषद का नियमित कामकाज भी प्रभावित हो रहा था। इसी को लेकर पार्षदों ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सरकार को 7 दिन में कार्रवाई का आदेश मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने याचिकाकताओं के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने पंजाब सरकार को निर्देश दिया कि सात दिनों के भीतर बैठक बुलाकर सभी नव-निर्वाचित पार्षदों का शपथ ग्रहण कराया जाए। इसके बाद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया भी पूरी की जाए। अदालत ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं का गठन समय पर होना आवश्यक है और निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों से लंबे समय तक वंचित नहीं रखा जा सकता। पर्यवेक्षक की निगरानी में होगी पूरी प्रक्रिया
हाई कोर्ट ने चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने पर विशेष जोर दिया है। अदालत ने आदेश दिया कि संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक आधिकारिक पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाए। पर्यवेक्षक की मौजूदगी में शपथ ग्रहण से लेकर अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव तक की सभी औपचारिकताएं पूरी कराई जाएंगी।
अदालत का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह कानून के अनुरूप हो और किसी भी पक्ष को निष्पक्षता पर सवाल उठाने का अवसर न मिले।हाई कोर्ट के इस आदेश के बाद अब फाजिल्का नगर परिषद में प्रशासनिक और विकास संबंधी कार्यों को गति मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव होने के बाद परिषद का नियमित संचालन शुरू हो सकेगा और विभिन्न विकास योजनाओं पर भी तेजी से काम आगे बढ़ सकेगा।

तरनतारन में रंगदारी के लिए गोली चलाने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में काबू, जवाबी फायरिंग में टांग पर लगी गोली

तरनतारन। पंजाब के तरनतारन जिले में रंगदारी और फायरिंग की घटनाओं में शामिल अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार दोपहर केंद्रीय जांच एजेंसी शाखा और थाना सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के दौरान रंगदारी के लिए गोलीबारी करने के आरोपित साहिल मुरादपुरा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपित ने नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसकी टांग में गोली लगी। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके से एक अवैध पिस्तौल और मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र लांबा ने बताया कि अटारी-कपूरथला मार्ग पर केडी इंटरनेशनल स्कूल के पास कसूर नाले के किनारे, गांव जरमस्तपुर की सीमा में पुलिस ने विशेष नाकाबंदी की थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि जंडियाला रोड स्थित पन्नू पेंट स्टोर पर गोलीबारी करने वाले कुछ बदमाश इलाके में घूम रहे हैं। रुकने का इशारा किया तो कर दी फायरिंग पुलिस के अनुसार नाकाबंदी के दौरान मोटरसाइकिल पर सवार एक संदिग्ध युवक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसने वाहन रोकने के बजाय पुलिस टीम पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपित की टांग में गोली लग गई। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया। बाद में उसकी पहचान साहिल मुरादपुरा के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल और वारदात में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल बरामद की गई। पहले बोतल बम हमला, फिर फायरिंग का आरोप वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जंडियाला रोड स्थित पन्नू पेंट स्टोर से जुड़े परिवार को पहले बोतल बम से निशाना बनाने का प्रयास किया गया था। उस मामले में शामिल आरोपितों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में सामने आया है कि बोतल बम हमले के बाद उसी परिवार में दहशत फैलाने के उद्देश्य से दोबारा फायरिंग की गई थी। पुलिस का दावा है कि इस गोलीबारी में साहिल मुरादपुरा भी शामिल था और उसी की तलाश की जा रही थी। आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही पुलिस पुलिस अब साहिल मुरादपुरा का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन मामलों में शामिल रहा है और उसका संबंध किन अपराधी गिरोहों से है। साथ ही उसके अन्य साथियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में रंगदारी और संगठित अपराध से जुड़े गिरोहों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा। मौके पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे और पूरी कार्रवाई की निगरानी करते रहे।

पंजाब में एएपी सरकार ने की राजनीतिक नियुक्तियां, 17 मार्केट कमेटियों, बोर्डों और आयोगों में नए चेयरमैन नियुक्त

चंडीगढ़। पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार ने बुधवार को विभिन्न बोर्डों, आयोगों और मार्केट कमेटियों में नई नियुक्तियों की घोषणा की। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर नियुक्ति पत्र साझा करते हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई। उम्मीद है कि सभी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे। जारी आदेशों के अनुसार, कमिक्कर सिंह को पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। सुखजीत सिंह ढिल्लवां को पंजाब एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (पेडा) का उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सरबजीत सिंह धंजाल को अमृतसर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट का चेयरमैन तथा संजीव चौधरी (चेची) को शहीद भगत सिंह नगर जिला योजना बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। जाने कहां किसकी हुई नियुक्ति इसके अलावा सरकार ने राज्य की 17 मार्केट कमेटियों के चेयरमैन भी नियुक्त किए हैं। इनमें फिल्लौर के लिए सुखदीप उपरा, जगराओं के लिए कुलविंदर सिंह, भुलत्थ के लिए राशपाल शर्मा, मेहतापुर के लिए जसवीर जलालपुर, अजनाला के लिए रजविंदर सिंह, डेरा बाबा नानक के लिए रेशम सिंह, दीनानगर के लिए जसबीर सिंह, मजीठा के लिए बलवीर सिंह भोपराई, कादियां के लिए मुखदेव सिंह को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा खमाणों के लिए कबिकेर सिंह, सादिक के लिए नीतू कपूर सिंगला, निहाल सिंह वाला के लिए अमृतपाल सिंह खालसा, भदसों के लिए निर्भय सिंह गुंदर, भवानीगढ़ के लिए परदीप कुमार मित्तल, अबोहर के लिए राजिंदर कंबोज डब्बू, बरनाला के लिए जसविंदर सिंह संघेरा तथा पंजे के उत्तड़ मार्केट कमेटी के लिए जसवंत सिंह सोढ़ी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।
रंगला पंजाब टीम में किया स्वागत
मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा 'रंगला पंजाब' टीम में आप सभी का हार्दिक स्वागत है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएंगे और जनता की भलाई के लिए दिन-रात कार्य करेंगे। आइए, मिलकर पंजाब की तरक्की के इस कारवां को और आगे बढ़ाएं।"

सरकारी राशन के चावल की कालाबाजारी का भंडाफोड़, 155.55 कुंतल चावल व कैंटर जब्त

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- सरकारी राशन (पीडीएस) के चावल की कथित कालाबाजारी का बड़ा खुलासा करते हुए प्रशासन व पूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने 155.55 कुंतल चावल, एक टाटा कैंटर (वढ13 उळ 8349) और इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन जब्त की है। कार्रवाई उपजिलाधिकारी की सूचना पर ग्राम ढांकर में की गई। मौके से तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें सरकारी राशन के चावल की अवैध खरीद-फरोख्त का मामला सामने आया। जांच में चावल में एफआरके (Fortified Rice Kernel) मिलने से इसके पीडीएस का होने की पुष्टि हुई। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी नूर इस्लाम उर्फ असलम के खिलाफ पहले भी ऐसे कई मुकदमे दर्ज हैं। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद चार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की गई है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

जहांगीराबाद से लापता व्यापारी की बेटी मुंबई से सकुशल बरामद

जहांगीराबाद/बुलंदशहर(सब का सपना):- लापता किराना व्यापारी की बेटी को बुलंदशहर पुलिस की एसओजी एवं जहांगीराबाद पुलिस ने करीब 1,500 किलोमीटर दूर मुंबई से सकुशल बरामद कर लिया। मामले में पूर्व सभासद के बेटे साजिद अंसारी समेत चार लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, युवती सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर नामजद आरोपी सहित चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों और लगातार दबिश के आधार पर एसओजी टीम ने युवती को मुंबई से बरामद कर लिया। एसपी देहात अंतरीक्ष जैन ने बरामदगी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

नेशन पब्लिक स्कूल में छात्र परिषद पदग्रहण समारोह सम्पन्न, सांसद भोला सिंह ने दिलाई नेतृत्व की शपथ

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नेशन पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अंकुर अग्रवाल एडवोकेट ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026/27 के लिए छात्र परिषद पदग्रहण समारोह गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में बुधवार को आयोजित किया गया समारोह का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, उत्तरदायित्व, सेवा-भाव एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करते हुए नव-निर्वाचित छात्र परिषद को औपचारिक रूप से दायित्व सौंपना था कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोला सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व जिला मंत्री भाजपा नरेश तायल,पूर्व चेयरमैन राजकुमार लोधी सांसद प्रतिनिधि धर्मेंद्र काली सांसद प्रतिनिधि अर्जुन सिंह तथा एमएलसी प्रतिनिधि सोनू शर्मा गिरीश लोधी त्रिलोक गुर्जर एवं प्रधानाचार्य जी.जी.आई.सी.औरंगाबाद,संजीव कुमार उपस्थित रहे वहीं हेमंत गुप्ता एवं शिवम गर्ग पीटीए सदस्य विशेष अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए अतिथियों का स्वागत विद्यालय के संस्थापक कैलाश कुमार अग्रवाल, चेयरपर्सन मनु अग्रवाल, प्रबंधक एडवोकेट अंकुर अग्रवाल, प्रधानाचार्या प्रिया अग्रवाल एवं उप-प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार जोशी ने पुष्पगुच्छ, अतिथि बैज एवं सैश भेंट कर किया। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया

समारोह के दौरान विद्यालय के हेड बॉय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन एवं छात्र परिषद के अन्य पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों तथा विद्यालय प्रबंधन द्वारा बैज एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी छात्र पदाधिकारियों को सत्यनिष्ठा, अनुशासन, सेवा-भाव एवं नेतृत्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। नव-निर्वाचित छात्र परिषद ने विद्यालय की गरिमा बनाए रखने तथा छात्र हित में कार्य करने का संकल्प लिया कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। वहीं विद्यालय के हेड बॉय एवं हेड गर्ल ने अपने संबोधन में छात्र परिषद की जिम्मेदारियों का ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का विश्वास व्यक्त किया अपने प्रेरक संबोधन में सांसद भोला सिंह ने कहा कि नेतृत्व का वास्तविक अर्थ अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, समर्पण और उत्तरदायित्व के साथ समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से नैतिक मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया विद्यालय के संस्थापक कैलाश कुमार अग्रवाल, चेयरपर्सन मनु अग्रवाल, प्रबंधक एडवोकेट अंकुर अग्रवाल एवं प्रधानाचार्या प्रिया अग्रवाल ने नव-निर्वाचित छात्र परिषद को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि छात्र नेता अपने आचरण, अनुशासन एवं नेतृत्व से विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ कार्यक्रम के अंत में उप-प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार जोशी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, अभिभावकों एवं उपस्थित सभी जनों के प्रति आभार व्यक्त किया इस अवसर पर विद्यालय संयोजिका लोकेश वर्मा,एडमिन हेड नेहा पाठक एकेडमिक को ऑर्डिनेटर हिमांशी गर्ग, कोऑर्डिनेटर अंशु गोयल रश्मि शर्मा,बबीता सिंह, ललिता चौधरी पंकज कुमार, आकाश कुमार डागुर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित रहे नेतृत्व, अनुशासन, सेवा और उत्तरदायित्व का संदेश देने वाला यह समारोह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं यादगार पहल सिद्ध हुआ।

हरियाणा के बाद दिल्ली में भी एसआईआर की तारीख बढ़ी, अब 8 अगस्त तक चलेगा घर-घर अभियान

नई दिल्ली। हरियाणा के बाद दिल्ली में भी विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम की अवधि बढ़ा दी गई है। अब बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) 29 जुलाई के बजाय 8 अगस्त तक घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने यह फैसला मतदाताओं को अधिक समय देने के लिए लिया है। इसके साथ ही ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की जारी होने की तारीख भी बढ़ाकर 5 अगस्त से 17 अगस्त कर दी गई है। यह विस्तार उन युवाओं और नए मतदाताओं को लाभ देगा जिनका नाम अभी तक सूची में नहीं जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट में हंगामे के आरोपी लॉ स्टूडेंट्स को राहत नहीं, प्रबल प्रताप व चंद्रभान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में हुए उपद्रव की घटना से जुड़े दो लॉ स्टूडेंट्स प्रबल प्रताप सिंह और चंदर भान को उनकी पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद पटियाला हाउस कोर्ट में बुधवार को पेश किया गया। पटियाला हाउस कोर्ट ने मंगलवार को दोनों छात्रों को 2 दिन की पुलिस कस्टडी के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब इन्हें अगली बार 29 जुलाई को कोर्ट में पेश किया जाएगा। दोनों कानून छात्रों को सुप्रीम कोर्ट परिसर में हुई शोर-शराबे और उपद्रव के मामले में गिरफ्तार किया गया था। घटना के बाद से दोनों को पुलिस हिरासत में रखा गया था, जिसकी अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेजने के आदेश दिए हैं।

दिल्ली में यमुना में नहाते वक्त बहे चार किशोर, एक का शव बरामद; तीन के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बाहरी दिल्ली। अलीपुर थाना क्षेत्र में यमुना नदी में डूबे चार छात्रों में से एक राहुल का शव बरामद कर लिया गया। बाकी तीन अन्य छात्रों की तलाश में एनडीआरएफ, दमकल विभाग और बोट क्लब की टीमें लगातार यमुना में तलाशी अभियान चला रही हैं। बोट क्लब प्रभारी हरीश कुमार के अनुसार गोताखोरों की मदद से बुधवार को राहुल का शव बरामद किया गया। 15 साल का राहुल पिता सतीश और परिवार के अन्य सदस्य के साथ इब्राहिमपुर गांव में रहता था। कादीपुर के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला राहुल दसवीं कक्षा का छात्र और एनसीसी कैडेट था। पुलिस का कहना है कि जब तक सभी छात्रों का पता नहीं चल जाता, तब तक अभियान जारी रहेगा। ज्ञात हो रविवार शाम हिरंकी गांव के पास यमुना में नहाने के दौरान 10वीं के चारों किशोर तेज बहाव में बह गए थे। जिन बच्चों के शव नहीं मिले हैं , उनमें अंशू, सौरभ और अमनदीप शामिल है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किया गया किसान दिवस आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी कविता मीना, व मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार हापुड़ में प्रातः 11.00 बजे से किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के विभिन्न क्षेत्रो के कृषको एवं कृषक प्रतिनिधियो द्वारा प्रतिभाग किया गया। किसान दिवस में योगेन्द्र कुमार, उप कृषि निदेशक हापुड़ द्वारा उपस्थित सभी सम्बन्धित जनपद स्तरीय अधिकारियो एवं कृषक बन्धुओ का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम उद्यान विभाग ने प्रगतिशील कृषक ज्ञानेन्द्र सिंह, पुत्र भोपाल सिंह, ग्राम जरौठी वि०ख० हापुड़ के द्वारा ड्रिप के माध्यम से की गयी बुवाई के बारे में अवगत कराया

गया। साथ ही जिला कृषि अधिकारी, हापुड़ द्वारा जनपद में उर्वरक उपलब्धता के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। इसके उपरान्त गतमाह जून, 2026 के किसान दिवस में प्राप्त शिकायतो से सम्बन्धित निस्तारण आख्या उपस्थित सभी कृषको के समक्ष पढ़कर सुनाई गयी तथा निस्तारण सम्बन्धी विस्तृत विवरण से सम्बन्धित अधिकारी द्वारा कृषको को अवगत कराया गया। आज किसान दिवस में विभिन्न कृषको द्वारा समस्या लिखित रूप से अवगत करायी गयी, जिसमें गन्ना भुगतान, विद्युत, वन विभाग एवं सिचाई विभाग से सम्बन्धित मुख्य समस्याए रही। जिलाधिकारी हापुड़ द्वारा किसान दिवस में समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों / प्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से अपने विभाग से संबंधित समस्याओं का निस्तारण एक सप्ताह में करके प्रत्येक दशा में निस्तारण की कार्यवाही की प्रति किसान दिवस के नोडल अधिकारी उप कृषि निदेशक, हापुड़ कार्यालय निकट कोतवाली में उपलब्ध कराते हुये एक प्रति शिकायतकर्ता को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।

भाकियू (अराजनैतिक) ने डीएम को सौंपा किसानों की समस्याओं का मांगपत्र

बुलन्दशहर (सब का सपना):- किसान दिवस के अवसर पर आयोजित बैठक में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू ने जिलाधिकारी कुमार हर्ष को किसानों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित मांगपत्र सौंपा। उन्होंने ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का उचित मुआवजा, बिजली कटौती पर रोक, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, आवारा पशुओं से निजात, डीएपी-यूरिया की उपलब्धता, मक्का खरीद शुरू कराने, स्मार्ट मीटर पर रोक तथा अन्य किसान हितों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी अभिषेक सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं किसान मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर चला बुलडोजर, शाहदरा में अतिक्रमण हटाया गया

पूर्वी दिल्ली। कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले बुधवार को प्रशासन ने पुलिस व निगम के साथ मिलक संयुक्त रूप से अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। यमुनापार में शाहदरा जीटी रोड प्रमुख कांवड़ मार्ग है। प्रशासन ने सीमापुरी गोलचक्कर से लेकर शाहदरा की लालबाग झुग्गियों तक बुलडोजर चलाया। सड़क से लेकर फुटपाथ से अतिक्रमण का सफाया किया। शाहदरा एसडीएम रीता कौशिक ने कहा कि पीडबल्यूडी समेत अन्य विभागों की ओर से शिकायत मिल रही थी कि कांवड़ मार्ग पर अतिक्रमण है। कांवड़ यात्रियों को नहीं होगी परेशानी स्पेशल टास्क फोर्स की बैठक में मामले को लिया गया। पुलिस, निगम, यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी को संयुक्त रूप से मिलकर कार्रवाई करने को कहा गया। यह मार्ग प्रमुख कांवड़ मार्ग है। हजारों की संख्या में कांवड़ यात्री यहां से गुजरते हैं। उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो इसलिए कार्रवाई को अंजाम दिया गया। फुटपाथ पैदल यात्रियों के लिए होते हैं, लेकिन कई स्थानों पर उन पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। इन्हें हटाकर फुटपाथ को आम लोगों के उपयोग के लिए मुक्त कराया जा रहा है, ताकि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। शाहदरा ट्रैफिक सर्कल संजय द्विवेदी की टीम ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने और कार्रवाई को सुचारु रूप से संचालित कराने में अहम भूमिका निभाई।

दिल्ली में 'नया सफर योजना' लागू, पुराने कमर्शियल वाहनों को बदलने पर 9,585 करोड़ क्यों खर्च कर रही सरकार?

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी और एनसीआर में प्रदूषण फैलाने वाले पुराने ट्रकों और बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 'नया सफर योजना' लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है kनेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड के माध्यम से संचालित इस योजना का उद्देश्य बीएस-चार और उससे पुराने व्यावसायिक वाहनों के स्थान पर बीएस-छह अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। योजना के तहत आर्थिक प्रोत्साहन, टैक्स में छूट और स्क्रैपेज लाभ दिए जाएंगे। नए वाहनों पर 100 प्रतिशत मोटर व्हीकल टैक्स की छूट योजना के अनुसार पात्र नए वाहनों पर 100 प्रतिशत मोटर व्हीकल टैक्स की छूट, पात्र पुरानी (यूज्ड) गाड़ियों की खरीद पर 10 वर्ष के लिए 50 प्रतिशत टैक्स राहत, रजिस्ट्रेशन फीस माफी तथा स्क्रैप किए जाने वाले पात्र वाहनों के रोड टैक्स और फिटनेस पेनल्टी में छूट मिलेगी। ये लाभ केंद्र सरकार की ब्याज सब्सिडी, फ्यूल वाउचर, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए एकमुश्त प्रोत्साहन राशि तथा वाहन निमार्ताओं की ओर से मिलने वाली छूट के अतिरिक्त होंगे। 2 लाख से ज्यादा वाहन मालिकों को मिलेगा लाभ इस योजना का लाभ करीब 2.07 लाख निजी ट्रक और बस मालिकों को मिलने का अनुमान है। दिल्ली के लिए विशेष प्रविधानों के तहत योजना के माध्यम से खरीदे जाने वाले लाइट गुड्स व्हीकल केवल इलेक्ट्रिक होंगे, जबकि बसें केवल बीएस-छह सीएनजी या इलेक्ट्रिक खरीदी जा सकेंगी। वैज्ञानिक तरीके से स्क्रैपिंग के लिए पंजीकृत व्हीकल स्क्रैपिंग सेंटरों का उपयोग किया जाएगा। 9,585 करोड़ रुपये होंगे खर्च योजना का कुल बजट 9,585 करोड़ रुपये है, जिसमें नेशनल कैपिटल रीजन प्लानिंग बोर्ड के माध्यम से केंद्र सरकार 5,041 करोड़ रुपये देगी। पूरी प्रक्रिया डिजिटल 'नया सफर पोर्टल' के जरिए संचालित होगी, जिससे पात्रता सत्यापन, प्रोत्साहन राशि का स्वतः वितरण और निगरानी सुनिश्चित होगी। योजना दो वर्ष तक लागू रहेगी। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इससे स्वच्छ व टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, प्रदूषण घटेगा और परिवहन संचालकों को अपने बेड़े का आधुनिकीकरण करने में

दिल्ली सरकार की पहल, 10 मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगे 'अर्पण' डोनेशन सेंटर; पुराने कपड़ों से तैयार होगा रोजगार

नई दिल्ली। दिल्ली को अधिक स्वच्छ, हरित और टिकाऊ (सस्टेनेबल) बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में एक बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली सचिवालय में दिल्ली सरकार, डीएलडब्ल्यूओ , डीएमआरसी , एसयूएलएम , रीस्पन और क्लोथ्स बॉक्स फाउंडेशन के बीच 'ओल्ड क्लोथ्स डोनेशन प्रोजेक्ट' (पुराने कपड़े दान करने की परियोजना) शुरू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगे 'अर्पण' केंद्र इस अनोखी पहल के तहत जल्द ही

दिल्ली के 10 प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर 'अर्पण' डोनेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर दिल्ली के नागरिक अपने पुराने और अनुपयोगी कपड़े आकर दान कर सकेंगे। मेट्रो स्टेशनों पर इन केंद्रों के खुलने से आम जनता के लिए कपड़े दान करना बेहद सुगम और आसान हो जाएगा। पर्यावरण संरक्षण के साथ महिलाओं को मिलेगा रोजगार इस अभियान के माध्यम से एकत्रित किए गए पुराने कपड़ों को फेंकने के बजाय उन्हें रीसायकल किया जाएगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य टेक्सटाइल वेस्ट (कपड़ों के कचरे) को कम करना और लैंडफिल (कचरे के मैदानों) पर बढ़ते बोझ को घटाना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को सीधा बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, इन कपड़ों के पुनर्चक्रण और प्रबंधन की इस प्रक्रिया से महिलाओं के लिए आजीविका के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से सशक्त हो सकेंगी।

एएपी नेता सौरभ भारद्वाज की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, मानहानि मामले में प्रवेश वर्मा ने अदालत में पेश किए साक्ष्य

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दायर मानहानि शिकायत में बुधवार को शिकायत पक्ष के दो गवाहों के बयान दर्ज किए। स्कूल या ट्रस्ट से संबंध होने से इनकार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल की अदालत में शिकायतकर्ता की ओर से कुलभूषण जैन और शक्ति सिंह सहरावत के बयान दर्ज किए गए। दोनों गवाहों ने कहा कि उन्होंने सौरभ भारद्वाज की इंटरनेट मीडिया पोस्ट और वीडियो देखी थी, जिसके बाद उन्होंने प्रवेश वर्मा से इस संबंध में जानकारी ली। प्रवेश वर्मा ने उन्हें बताया कि उनका एसएस मोटा सिंह स्कूल या उससे जुड़े ट्रस्ट से कोई

संबंध नहीं है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 25 जुलाई तय की है, जब शिकायत पक्ष के तीसरे गवाह का बयान दर्ज किया जाएगा। इससे पहले चार जुलाई को प्रवेश वर्मा ने स्वयं अदालत में बयान दर्ज कराते हुए कहा था कि मई 2026 में सौरभ भारद्वाज ने एक्स, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके खिलाफ झूठे और मानहानिकारक आरोप लगाए, जिससे उनकी और उनके परिवार की सामाजिक एवं राजनीतिक प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा। झूठे आरोपों से लोगों में पैदा हुआ भ्रम प्रवेश वर्मा ने अदालत को बताया था कि उनके मित्रों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें इंटरनेट मीडिया पोस्ट के लिंक भेजे। कई परिचितों ने उनसे इन आरोपों के बारे में सवाल भी किए और कुछ लोगों को यह विश्वास हो गया था कि वह स्कूल से जुड़े पॉक्सो मामले में शामिल हैं। शिकायत में प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया है कि सौरभ भारद्वाज ने झूठा प्रचार किया कि वह एसएस मोटा सिंह स्कूल ट्रस्ट से जुड़े हैं, आरोपित की मदद कर रहे हैं और ट्रस्ट में नियुक्तियों में उनकी भूमिका रही है।

प्रवेश वर्मा ने इन सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनका या उनके परिवार का स्कूल व ट्रस्ट से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कानूनी नोटिस भेजे जाने के बावजूद सौरभ भारद्वाज ने न तो उनसे संपर्क किया और न ही माफी मांगी। शिकायत के साथ प्रवेश वर्मा ने 15 मई 2026 के वीडियो और सौरभ भारद्वाज के एक्स पोस्ट भी अदालत में साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किए हैं।

ऐतिहासिक फिरोजशाह कोटला का होगा कायाकल्प, शाही महल क्षेत्र को नए सिरे से संवारेगा एएसआई

नई दिल्ली। राजधानी के ऐतिहासिक कोटला फिरोजशाह स्मारक परिसर में स्थित शाही महल क्षेत्र का जल्द ही कायाकल्प होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की योजना के तहत यहां पर्यटकों की सुविधाओं में सुधार, हरित क्षेत्र का विस्तार और जर्जर संरचनाओं के संरक्षण का कार्य किया जाएगा। लंबे समय से उपेक्षित पड़े इस हिस्से को व्यवस्थित और बेहतर बनाने के लिए कई विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं। पर्यटकों की सुविधा के लिए बनेगा नया फुटपाथ योजना के अनुसार शाही महल क्षेत्र में करीब 300 मीटर लंबा नया फुटपाथ बनाया जाएगा, जिस पर काम शुरू हो गया है। इससे पर्यटकों के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित और सुगम हो सकेगा। वर्तमान में इस हिस्से में पैदल चलने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं होने से आगंतुकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। नए फुटपाथ

के निर्माण से स्मारक भ्रमण का अनुभव बेहतर होने की उम्मीद है। पौधारोपण से निखरेगा ऐतिहासिक परिसर का सौंदर्य फुटपाथ के दोनों ओर स्थित बड़े पार्कों में बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा फुटपाथ के दोनों किनारों पर भी हरियाली विकसित की जाएगी, जिससे परिसर का सौंदर्य बढ़ने के साथ पर्यावरण भी बेहतर होगा। अधिकारियों का मानना है कि हरित क्षेत्र बढ़ने से स्मारक का ऐतिहासिक वातावरण और अधिक आकर्षक दिखाई देगा। शाही महल के जर्जर मुख्य द्वार का होगा संरक्षण योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा शाही महल के मुख्य द्वार का संरक्षण भी है। यह द्वार काफी समय से जर्जर स्थिति में है, जिसके कारण सुरक्षा की दृष्टि से पर्यटकों के इस हिस्से में प्रवेश पर रोक लगी हुई है। संरक्षण कार्य पूरा होने के बाद न केवल इस ऐतिहासिक संरचना की मजबूती सुनिश्चित होगी, बल्कि भविष्य में पर्यटकों के लिए इस क्षेत्र को फिर से खोले जाने का रास्ता भी साफ हो सकेगा। फिरोजशाह कोटला का इतिहास फिरोजशाह कोटला का निर्माण वर्ष 1354 ईस्वी में सुल्तान फिरोज शाह तुगलक ने अपनी नई राजधानी फिरोजाबाद के हिस्से के रूप में कराया था। यमुना नदी के किनारे स्थित यह परिसर महल, मस्जिद, बावली और अशोक स्तंभ जैसी ऐतिहासिक संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थापित तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का अशोक स्तंभ मेरठ से लाकर स्थापित किया गया था। शाही महल क्षेत्र फिरोजशाह कोटला परिसर में फिरोज शाह तुगलक द्वारा बनवाए गया शाही महल किला का महत्वपूर्ण भाग था। यह महल शासक का प्रमुख आवासीय और प्रशासनिक केंद्र था, जहां दरबार लगते थे और महत्वपूर्ण सरकारी निर्णय लिए जाते थे। समय के साथ इसका अधिकांश हिस्सा खंडहर में बदल गया, लेकिन आज भी इसके अवशेष तत्कालीन तुगलक स्थापत्य शैली और वास्तुकला की झलक प्रस्तुत करते हैं।

सिर्फ 1 महीने छोड़कर देखें शराब, होंगे ये बड़े फायदे

बहुत से लोगों ने न्यू ईयर की पार्टी की प्लानिंग अभी से शुरू कर दी है। उनके लिए सबसे बड़ा आकर्षण होगी शराब पार्टी। सभी जानते हैं कि शराब सेहत के लिए नुकसानदायक है। इसके नियमित सेवन से कैंसर, लिवर और हार्ट संबंधी बीमारियां हो सकती हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो सालभर में शराब छोड़ने की कई कोशिश करता है, लेकिन लत फिर हावी हो जाती है। इस बीच, पश्चिमी देशों में 'ड्राय मंथ' यानी 'पूरे महीने शराब का सेवन नहीं' अभियान चलाया जाता रहा है। कोशिश यही रहती है कि लोग एक महीने शराब से दूर रहें, क्योंकि यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स के मुताबिक, इसके बहुत फायदे हैं और ये फायदे लंबे समय तक बने रहने वाले हैं।

ससेक्स यूनिवर्सिटी के डॉ. रिचर्ड डी. विसर ने अपने शोध में पाया कि 2018 में ड्राई जनवरी में हिस्सा लेने वाले लोगों में हमेशा एनर्जी बनी रही। इसके साथ ही उनका वजन भी कंट्रोल रहा। सबसे बड़ी बात, एक महीने की गैप के बाद उन्हें शराब पीने की जरूरत पहले से कम महसूस हुई। अध्ययन में 2821 लोगों ने हिस्सा लिया था। पहले ये हफ्ते में औसत 4.3 दिन शराब पीते थे, जो बाद में घटकर 3.3 दिन रह गई। एक बार में शराब पीने की मात्रा भी 8.6 यूनिट ऑफ अल्कोहल से घटकर 7.1 यूनिट रह गई। इस अभियान से हुए अन्य फायदों में शामिल हैं । 10 में से 9 लोगों को पैसों की बचत हुई, 10 में से 7 लोगों को बेहतर नींद आने लगी, हर पांच में से तीन लोगों का वजन घट गया।

अध्ययन करने टीम के लीडर डॉ. विसर के अनुसार, शराब से दूरी बनाने का हर मौका भुनाना चाहिए। यदि कोई एक महीने के लिए शराब नहीं छोड़ सकता है तो उसे कुछ दिनों के लिए ऐसा करना चाहिए। इससे भी सेहत को बहुत फायदा होगा।

शराब की लत का यह है इलाज

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार जिन लोगों को शराब की लत होती है, वे यह तय नहीं कर पाते हैं कि वे कितनी शराब पीएंगे, कब तक पीएंगे और इसके क्या बुरे नतीजे होंगे? ऐसे लोगों के लिए एकदम से शराब छोड़ना मुश्किल होता है। ज्यादा शराब पीने से याददाश्त कमजोर होती है, आंखों की मांसपेशियां कमजोर होती हैं, ब्लड प्रेशर हाई बना रहता है, डायबिटीज का खतरा रहता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और कैंसर भी हो सकता है। ऐसे लोगों के मन में आत्महत्या के विचार जल्दी आते हैं।

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, जिन लोगों में शराब के लक्षण दिखाई देते हैं, उन्हें इसके खतरों से वाकिफ करवाया जाना चाहिए। हो सकता है खतरे भांप कर वे पीना कम कर दें या बंद कर दें। शराब की लत छुड़ाने के लिए डॉक्टर की सलाह पर कुछ दवाओं का सहारा भी लिया जा सकता है, लेकिन सबसे जरूरी है मरीज की मानसिक मजबूती। यदि वह दृढ़ निश्चय कर ले तो ही शराब छोड़ी जा सकती है।

1 महीने शराब छोड़ने के 10 फायदे

- 71 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि वे बेहतर नींद लेने लगे।
- 70 प्रतिशत ने अपने सम्पूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर पाया।
- 67 प्रतिशत को शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ा लगा।
- 58 प्रतिशत ने अपना वजन कम कर लिया।
- 57 प्रतिशत ने एकाग्रता (फोकस) में सुधार पाया।
- 54 प्रतिशत को अपनी त्वचा में चमक नजर आई।
- 80 प्रतिशत ने अपने पीने की आदतों पर नियंत्रण महसूस किया।
- 76 प्रतिशत ने समझा कि उन्हें पीने का अधिक लालच क्यों होता था?
- 71 प्रतिशत ने जाना कि उन्हें मस्ती करने के लिए शराब की जरूरत नहीं
- 88 प्रतिशत ने पैसे बचाए।

दिमाग को शराबी बनाती है शराब

पेनसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी के अध्ययनकर्ताओं ने शराब का एक रोचक पहलू पता किया है। इनका कहना है कि शराब दिमाग को और शराब पीने के लिए उकसाती है। यही कारण है कि एक बार शराब पीने के बाद जब व्यक्ति उसी बार के सामने से गुजरता है या उन्हीं दोस्तों के संपर्क में आता है तो दिमाग शराब की लत को जगा देता है।

Demo Pic

रेसिपी

सूजी उत्तपम

सामग्री

- सूजी: एक कप
- दही: एक कप
- बारीक कटा हुआ एक टमाटर
- बारीक कटी हुई एक प्याज
- बारीक कटी हुई दो हरी मिर्च
- धनिया: दो बड़ा चम्मच
- नमक: स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

विधि

सूजी उत्तपम बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में सूजी, दही और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। बैटर गाढ़ा होने की वजह से थोड़ा-सा पानी भी मिलाएं और इसे इडली और डोसे के बैटर जैसा तैयार कर लें। बैटर में प्याज, टमाटर, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती सभी थोड़ा-थोड़ा डालकर मिक्स कर लें और बाकी का बचाकर अलग रख लें। मीडियम आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही पैन में बैटर डालें। एक मिनट बाद बाकी बची सब्जियां भी ऊपर से डाल दें और दो मिनट तक परांठे की तरह सेंक लें। आप इसे चटनी या कैचअप के साथ सर्व कर सकते हैं।

मूली की चटनी

सामग्री

- चना दाल: 1 चम्मच
- उड़द दाल: 1 चम्मच
- जीरा: 1/2 चम्मच
- धनिया: 1 चम्मच
- लाल मिर्च: 3
- लहसुन: 3 कलियां
- अदरक: 1 टुकड़ा
- कटी हुई मूली: 1 कप
- हल्दी: 1/4 चम्मच
- तेल: 2 चम्मच
- पानी: 2 चम्मच
- इमली: 1 टुकड़ा
- नमक: 1/2 चम्मच
- तेल: 1 चम्मच
- सरसों : 1/2 चम्मच
- करी पत्ता: 10
- हींग: चुटकी भर

विधि

मूली की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में 2 चम्मच तेल डाल लें। इसके बाद पैन में चना-उड़द दाल, जीरा, धनिया और लाल मिर्च डालें। धीमी आंच पर दाल को सुनहरा होने तक पकाएं। इसके बाद इसमें लहसुन, अदरक, मूली और हल्दी पाउडर मिलाकर 1 मिनट तक भून लें। अब पैन में लगभग 2 चम्मच पानी डालकर सब चीजों को अच्छे से मिलाने के बाद ढककर धीमी आंच पर 5 मिनट तक पकाएं। पांच मिनट बाद गैस बंद कर दें। जब तक पेस्ट पूरी तरह से ठंडा न हो जाए पैन को ढककर ही रखें। इसेक बाद भूने हुए पेस्ट के साथ इमली और नमक को ग्राइंडर में डालकर अच्छे से पीस लें।

तड़का बनाने के लिए- तड़के के लिए 1 चम्मच तेल पैन में डालकर गर्म कर लें। उसमें तड़के वाली सभी चीजें मिला लें। सरसों के चटकने पर चटनी को उसमें पलट दें। आपकी स्वादिष्ट मूली की चटनी बनकर तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 3949

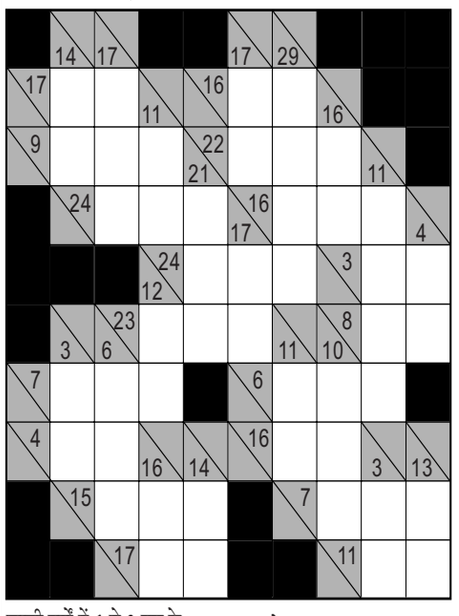

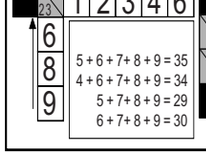

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3948 का हल

लॉफिंग ज़ोन

पति (पत्नी से) प्रिये यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम क्या दूसरी शादी कर लोगी।

नहीं, कभी नहीं। मैं अपना बचा जीवन अपनी बड़ी बहन के साथ गुजार दूँगी लेकिन दूसरी शादी नहीं करूँगी।

पत्नी (पति से) : लेकिन यदि मुझे कुछ हो गया तो क्या तुम दूसरी शादी कर लोगे।

पति : नहीं, मैं भी तुम्हारी बहन के साथ ही रह लूँगा।

□ □ □

अपने प्रेमी की शिकायत करते हुए शीला ने गीता से कहा- यह रमन का बच्चा आजकल मुझसे फ्लर्ट कर रहा है।

गीता- क्यों क्या किया रमन ने?

शीला- कल शाम जब मैं एक रेस्त्राँ में उससे मिलने गई तो वह बहुत देर बाद आया। कारण पूछने पर कहने लगा- अरे, वो नरेश मुझे जबरदस्ती टॉकिज ले गया था फिल्म दिखाने।

गीता- तो इसमें फ्लर्ट की क्या बात है?

शीला- दरअसल, कल नरेश के साथ टॉकिज तो मैं गई थी।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3949

बायें से दायें:-

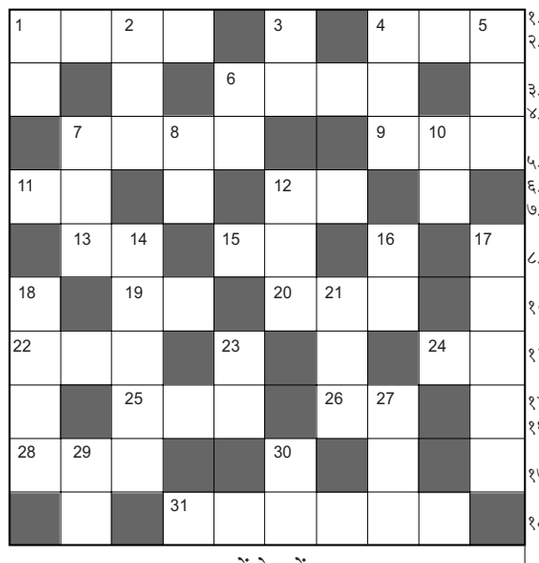

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम?-२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3948

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	ग		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	र			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

सूडोकु -3949

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3948 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

शब्द पहेली - 3949

बाएँ से दाएँ

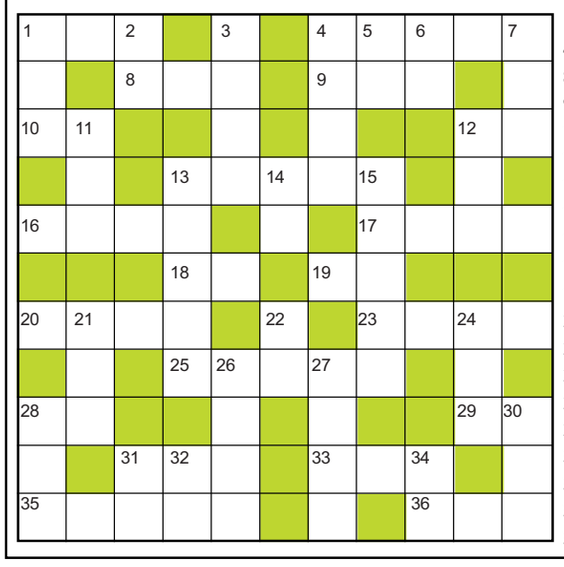

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -3948 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झौ			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
गुरुवार 16 जुलाई 2026
www.sabkasapna.com

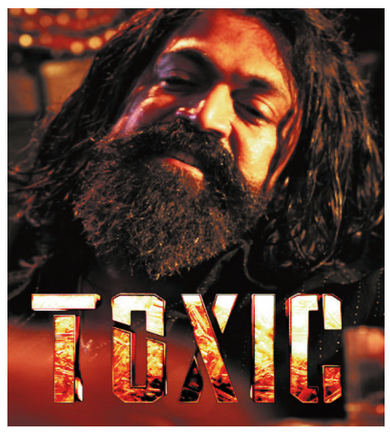

'टॉक्सिक' से नहीं होगा 'द वन' का टकराव;

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म 'द वन' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। आज गुरुवार को फिल्म का मोशन पोस्टर साझा किया गया है। इसी के साथ रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है। पहले यह फिल्म अगस्त में रिलीज होनी थी, मगर अब दर्शक इसे सितंबर में देख पाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का नया मोशन पोस्टर सामने आया है। इसमें सस्पेंस और थ्रिल दोनों हैं। मोशन पोस्टर में देखा जा सकता है कि एक ताकतवर योद्धा बाघ और नंदी के बीच खड़ा है। वह निडर होकर सामना कर रहा है। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'बाघ उसकी दहाड़ है...नंदी उसकी शक्ति। और वन...उसकी कहानी'। यह फिल्म अब 25 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'टॉक्सिक' और 'ईठा' से क्लैश से बची 'द वन'

बता दें कि फिल्म 'द वन' पहले 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी। मगर, इसके साथ दो चर्चित फिल्में दस्तक देने वाली थीं। एक तरफ श्रद्धा कपूर अभिनीत फिल्म 'ईठा' 28 अगस्त को रिलीज हो रही है। वहीं, यश की फिल्म 'टॉक्सिक' 26 अगस्त को रिलीज हो रही है। इनसे 'द वन' का क्लैश होना तय था। फिलहाल, ऐसा नहीं होगा।

जंगलों में हुई है फिल्म की शूटिंग

समाचार एजेंसी के मुताबिक, एक प्रेस रिलीज में मेकर्स ने कहा, 'द वन' के जरिए दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिलेगा। इसमें बड़े पैमाने शानदार विजुअल इफेक्ट्स शामिल हैं। इसका मकसद ऐसी भारतीय कहानियों को सामने लाना भी है, जो हर पीढ़ी के दर्शकों को पसंद आती हैं'। मेकर्स की तरफ से यह भी बताया गया कि फिल्म मध्य भारत के घने जंगलों पर आधारित है और इसे प्राचीन कथाओं, छिपे हुए मंदिरों और रोमांच का मिश्रण बताया। इसकी शूटिंग असली जंगलों में की गई है।

मां इंटी बंगारम ने रचा इतिहास

सामंथा ने जताई खुशी

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की सफलता को लेकर काफी खुश हैं। इस फिल्म ने ग्लोबली 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसे लेकर वह उत्साहित हैं।

साउथ की बेहतरीन अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म 'मां इंटी बंगारम' 19 जून को रिलीज हुई। महिला प्रधान इस फिल्म ने साउथ में इतिहास रच दिया है। रिलीज के एक महीने से भी कम समय में इसने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म की सफलता से सामंथा खुश हैं। सामंथा ने 'मां इंटी बंगारम' के 100 करोड़ रुपये कमाने पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने इस मौके पर इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर और अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक वीडियो शेयर किया है।

वीडियो में सामंथा के पति राज उनसे पूछते हैं कि क्या वह वीडियो में कुछ दिलचस्प देखना चाहती हैं? तो सामंथा हां में जवाब देती हैं। जब वह राज का दिया हुआ आईपैड अनलॉक करती हैं, तो फिल्म की ग्लोबल सफलता देखकर हैरान रह जाती हैं। वीडियो के आखिर में, मुस्कुराती हुई सामंथा कहती हैं, 'हमने 100 करोड़ का आंकड़ा छू लिया।'

फिल्म को लेकर क्या सोचती थीं सामंथा

वीडियो शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा ' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले, मैं एक ही बात सोचती रहती थी कि क्या लोग फिल्म के बारे में बात भी कर रहे हैं? क्या जो चीजें हम रिलीज कर रहे हैं, वे लोगों तक पहुंच रही हैं? क्या उन्हें पता है कि यह फिल्म आ रही है?

हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा?

उन्होंने आगे लिखा 'मेरे एक दोस्त ने 'बी' सेंटर के एक एग्जिबिटर को फोन किया। उसे पता नहीं था कि मैं भी सुन रही हूं।' मेरे दोस्त ने पूछा, 'आप 'मां इंटी बंगारम' के बारे में क्या सोचते हैं? आपको क्या लगता है कि इसकी ओपनिंग कैसी होगी?' एग्जिबिटर ने बिना हिचकिचाए कहा, 'कोई हीरोइन वाली फिल्म क्यों देखेगा? अगर वह किसी बड़े हीरो की फिल्म में हो, तो ठीक है। लोग उसे ग्लैमर के लिए जानते हैं। मगर हीरोइन की लीड वाली फिल्म? कौन देखने आएगा? कोई नहीं।' 'मां इंटी बंगारम' के रिलीज होने से पहले लोगों की यही सोच थी।'

बड़ी चीज की शुरुआत

सामंथा ने आगे लिखा, 'मुझे लगता है कि असली बदलाव तभी आता है जब कोई रिस्क लेने को तैयार हो। ज्यादातर समय, उन रिस्क का फायदा नहीं मिलता। कभी-कभी मिल भी जाता है। हमारे मामले में, ऐसा हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह किसी बड़ी चीज की शुरुआत है।'

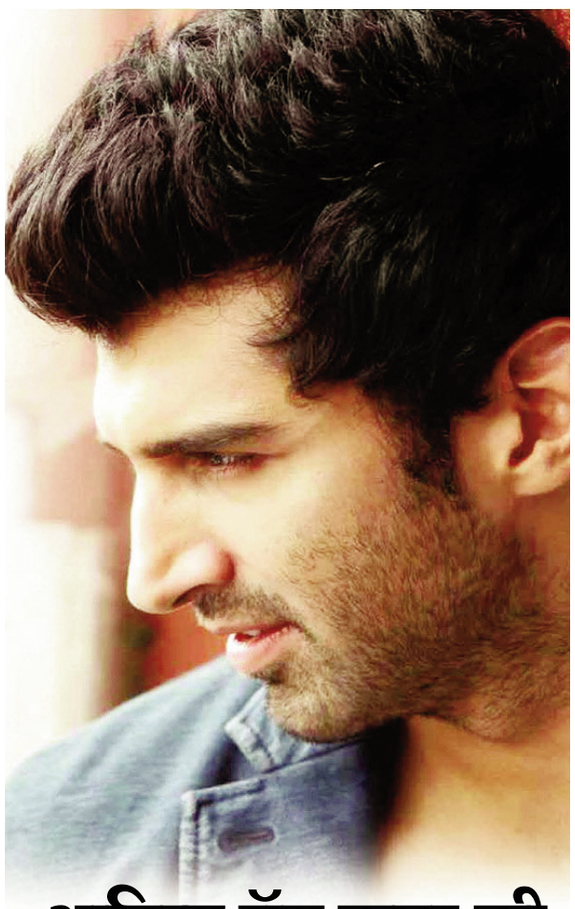

आदित्य रॉय कपूर की नई फिल्म का ऐलान, मिलाप मिलन जावेरी संग पहली बार करेंगे काम

'आशिकी 2', 'मलंग' और 'मेट्रो... इन दिनों' जैसी फिल्मों से अपनी रोमांटिक छवि बनाने वाले अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर खास लव स्टोरी लेकर आने वाले हैं। इस बार वह पहली बार निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी के साथ हाथ मिला रहे हैं। दोनों की यह फिल्म रोमांस, एक्शन और संगीत का दमदार मेल होगी, जिसे निर्माता भूषण कुमार बड़े स्तर पर बना रहे हैं।' निर्देशक मिलाप मिलन जावेरी ने आदित्य रॉय कपूर के साथ अपनी पहली फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'आदित्य प्यार को बेहद गहराई के साथ पर्दे पर उतारते हैं। 'आशिकी 2' के बाद से दर्शकों ने उन्हें जुनून और टूटे दिल की कहानियों में खूब पसंद किया है। इस नई फिल्म का किरदार कई परतों वाला होगा। मुझे नहीं लगता कि इस सफर को उनसे बेहतर कोई और निभा सकता था।' वहीं, निर्माता भूषण कुमार ने आदित्य के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को याद करते हुए कहा, ' 'आदित्य के साथ हमारा रिश्ता कई सालों पुराना है और हमने साथ मिलकर ऐसी फिल्में दी हैं जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं। 'आशिकी 2' से लेकर 'मेट्रो... इन दिनों' तक हर फिल्म हमारे लिए खास रही है। हमारे बीच शानदार क्रिएटिव तालमेल है और मुझे खुशी है कि हम एक बार फिर एक ऐसी कहानी के लिए साथ आ रहे हैं, जो भावनात्मक और बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी।''

फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर में शुरू होने की तैयारी है। इसके बाद पोस्ट-प्रोडक्शन का काम पूरा कर इसे साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और टाइटल का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन मेकर्स का कहना है कि आने वाले समय में इससे जुड़ी और जानकारियां साझा की जाएंगी।

फिल्म की घोषणा करते हुए मिलाप मिलन जावेरी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी एक खास पोस्ट साझा किया था। उन्होंने लिखा, 'इस बार आशिकी पूरी दीवानियत से होगी। मुझे बेहद खुशी है कि मैं अपनी अगली फिल्म की घोषणा कर रहा हूं। यह एक इंटेंस, हिंसक और म्यूजिकल लव स्टोरी है, जिसमें मेरे प्रिय मित्र और शानदार अभिनेता आदित्य रॉय कपूर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'आदित्य को उनके करियर के सबसे दमदार, रोमांटिक और हीरोइक किरदारों में से एक में देखने के लिए तैयार हो जाइए। मुझे खुशी है कि यह फिल्म भूषण कुमार सर के बैनर तले बन रही है, जिनके साथ मैंने 'सत्यमेव जयते' और 'मरजावां' जैसी सफल फिल्मों में काम किया है।' उन्होंने पोस्ट के आखिर में लिखा, '2027 में सिनेमाघरों में मिलते हैं, जहां एक्शन, संगीत, दमदार डायलॉग, रोमांस, जुनून और दिल टूटने का दर्द- सब कुछ बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगा।'

'हेरा फेरी 3' को लेकर सुनील शेट्टी ने कहा

वेलकम टू द जंगल के बाद कुछ जादुई होगा

सुनील शेट्टी अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इसमें वह अक्षय कुमार, परेश रावल और रवीना टंडन जैसे 90 के दशक के को-स्टार्स के साथ नजर आए। बॉक्स ऑफिस पर इसकी कामयाबी के बाद, एक्टर का मानना है कि यह बॉलीवुड में फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्मों के लिए एक नया रास्ता खोलती है। किसी भी फिल्म की सफलता पूरी इंडस्ट्री की सफलता होती है, खासकर ऐसे समय में जब हम भूल गए हैं कि फैमिली एंटरटेनमेंट का क्या मतलब है। फिरोज नाडियाडवाला की सोच वैसी ही है जैसी डिज्नी की है। यही 'वेलकम टू द जंगल' की सफलता का कारण है। मैं खुश और उत्साहित हूं और उम्मीद करता हूं कि ऐसी और भी फैमिली एंटरटेनमेंट वाली फिल्में बनेंगी।'

दर्शकों के दिलों में जगह बनती है

अपने पुराने को-स्टार्स के साथ फिर से काम करने पर सुनील कहते हैं 'फिल्म की सबसे अच्छी बात यह है कि इतने सारे मशहूर एक्टर्स के होने के बावजूद, आप अपनी अलग पहचान बना पाते हैं। यह सफलता उतनी ही अक्षय की है जितनी रवीना, परेश भाई, जॉनी, मेरी या किसी भी दूसरे एक्टर की। ऐसी फिल्में आपको दर्शकों के दिलों में दोबारा जगह बनाने का मौका देती हैं।'

'हेरा फेरी' पर क्या बोले सुनील शेट्टी

'वेलकम टू द जंगल' में सुनील ने 'हेरा फेरी' के अपने को-स्टार्स के साथ काम किया मगर हाल ही में खबर आई कि प्रियदर्शन इस फिल्म के तीसरे पार्ट से अलग हो गए हैं। फिल्म अभी अधर में लटकी हुई है। सुनील से इस बारे में पूछने पर उन्होंने कहा 'हेरा फेरी मेरे करियर की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी है। इससे जुड़ी पुरानी यादें बहुत सुखद हैं। इस पर लगातार बनते मीम्स और इसकी लोकप्रियता को देखते हुए, कौन नहीं चाहेगा कि ऐसा हो? उम्मीद है कि 'वेलकम टू द जंगल' के बाद कुछ जादुई होगा।'

आकांक्षा ने अपने करीबी दोस्तों के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात की

टेलीविजन अभिनेत्री आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेता गौरव खन्ना के साथ करीब नौ साल पुराना रिश्ता टूटने की खबर ने उनके फैंस को पहले ही हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई ऐसे खुलासे किए, जिनकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अब एक बार फिर आकांक्षा ने अपने दिल की बात साझा करते हुए कहा है कि वह प्यार के मामले में खुद को बदकिस्मत मानती हैं। आकांक्षा ने कहा कि उन्होंने स्वीकार भी कर लिया है। नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के एक एपिसोड के दौरान आकांक्षा चमोला अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना और को-कंटेस्टेंट वरुण यादव (उर्फ लैला) के साथ प्यार और रिश्तों पर खुलकर बात करती नजर आईं। बातचीत के दौरान आकांक्षा ने कहा, 'मेरी एक महिला दोस्त ने मुझसे कहा था कि दुर्भाग्य से मैं प्यार के मामले में बदकिस्मत हूं और हमेशा रहूंगी। उस वक्त मैंने सोचा कि शायद यही सच है और अब मैंने इसे स्वीकार कर लिया है। उनकी यह बात सुनकर वरुण यादव ने उनसे दोबारा पूछा, 'क्या तुम सच में प्यार के मामले में बदकिस्मत हो?' इस पर आकांक्षा ने जवाब दिया, 'हां, मैं प्यार के मामले में बहुत बदकिस्मत हूं।' गौरतलब है कि 'लॉक अप: सच या सजा' के लॉन्च के दौरान ही आकांक्षा चमोला ने अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर बड़ा खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह और उनके पति गौरव खन्ना पिछले एक साल से अलग रह रहे हैं और अब दोनों ने तलाक लेने का फैसला कर लिया है। आकांक्षा के इस बयान ने शो की होस्ट फराह खान के साथ-साथ उनके फैंस को भी चौंका दिया था। आकांक्षा और गौरव खन्ना ने नवंबर 2016 में लव मैरिज की थी। दोनों की जोड़ी टीवी इंडस्ट्री की पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती थी। शादी के बाद दोनों करीब नौ साल तक साथ रहे, लेकिन हाल ही में आकांक्षा ने अपने सेपरेशन की पुष्टि कर दी। इसके बाद से उनकी निजी जिंदगी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। यही नहीं, पिछले हफ्ते शो के 'जजमेंट डे' एपिसोड में भी आकांक्षा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक और अहम खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि वह बाइसेक्शुअल हैं और गौरव खन्ना से शादी करने से पहले महिलाओं के साथ भी रिश्तों में रह चुकी हैं। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी थी और कई लोगों ने उनके साहस की सराहना भी की। इन दिनों 'लॉक अप: सच या सजा' को फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इसमें आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ लैला जैसे कई चर्चित कलाकार भी हैं।

शाहरुख संग फिल्म बनाना चाहते थे हिरानी

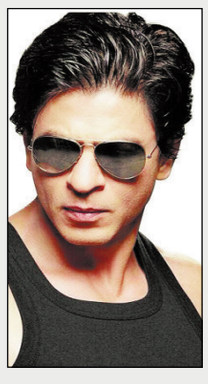

आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'ललकार' में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज लाला अमरनाथ की भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसी बीच फिल्म आमिर इस कहानी को 'ललकार' के रूप में बड़े परदे पर लेकर आ रहे हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी एक बार फिर निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ बनेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'ललकार' की कहानी 1से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर से पहले इसी विषय पर शाहरुख खान और निर्देशक राजकुमार हिरानी साथ काम करने की प्लानिंग बना चुके थे। बताया जा रहा है कि 2018 में 'जीरो' और 'संजू' की रिलीज के बाद राजकुमार हिरानी ने शाहरुख को लाला अमरनाथ की बायोपिक का आइडिया सुनाया था। हालांकि, कई कारणों से यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ पाया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।